सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 01, अंक 216, नई दिल्ली | बुधवार, 18 अक्टूबर 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

आज का सुविचार

जो भी अपनी भूमि पर अंगूठे के बल खड़ा हो जाता है, वट वृक्ष हो जाता है।

दिल्ली की सड़कों पर जल्द दौड़ेंगी प्रीमियम बसें, निजी वाहनों का उपयोग घटाकर प्रदूषण कम करने की है योजना

संजय बाटला, सम्पादक

दिल्ली में जल्द प्रीमियम बसें चल सकेंगी। दिल्ली सरकार ने प्रीमियम बस सेवा योजना को मंजूरी दे दी है। इस योजना का उद्देश्य शहर में निजी वाहनों के उपयोग को कम करके बढ़ रहे प्रदूषण को कम करने में मदद करना है। सरकार ने अगस्त में अपनी वेबसाइट पर दिल्ली मोटर वाहन लाइसेंसिंग एग्रीगेटर (प्रीमियम बसें) योजना 2023 का मसौदा अपलोड किया और जनता से प्रतिक्रिया मांगी।

नई दिल्ली। दिल्ली में जल्द प्रीमियम बसें चल सकेंगी। दिल्ली सरकार ने प्रीमियम बस सेवा योजना को मंजूरी दे दी है। इस योजना का उद्देश्य शहर में निजी वाहनों के उपयोग को कम करके बढ़ रहे प्रदूषण को कम करने में मदद करना है।

सरकार ने अगस्त में अपनी वेबसाइट पर दिल्ली मोटर वाहन लाइसेंसिंग एग्रीगेटर (प्रीमियम बसें) योजना, 2023 का मसौदा अपलोड किया और जनता से प्रतिक्रिया मांगी। सरकार को उम्मीद है कि इस योजना के माध्यम से मध्यम और उच्च-मध्यम वर्ग को सार्वजनिक परिवहन पर स्विच करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकेगा।

प्रदूषण कम करना है योजना का उद्देश्य

परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा है कि एग्रीगेटर के तहत दो योजनाएं हैं, जिनमें दिल्ली मोटर वाहन एग्रीगेटर और डिलीवरी सेवा प्रदाता योजना 2023 हैं।

दिल्ली मोटर वाहन लाइसेंसिंग ऑफ एग्रीगेटर (प्रीमियम बसें) योजना, 2023 को सार्वजनिक प्रतिक्रिया के लिए मई 2023 में वेबसाइट पर डाला गया था। इसके संकलन की प्रक्रिया अब अंतिम चरण में है। सभी हितधारकों से प्राप्त फीडबैक को शामिल करने के बाद दोनों योजनाओं को जल्द सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा।

योजना में शामिल किसी भी नई प्रीमियम बस को मौजूदा उत्सर्जन नियमों का पालन करना होगा। इस योजना के मुताबिक, एक जनवरी 2025 के बाद सिर्फ इलेक्ट्रिक बसों को ही इस योजना में शामिल किया जाएगा।

एप सपोर्ट, CCTV कैमरों से लैस होंगी बसें

लाइसेंस प्राप्त प्रत्येक एग्रीगेटर 90 दिनों के अंदर चालू होने वाली न्यूनतम 50 प्रीमियम बसों के बेड़े का संचालन और रखरखाव करेगा।

मोबाइल एप्लिकेशन और वेब आधारित एप्लिकेशन पर पैनिक बटन लगाना अनिवार्य होगा।

एग्रीगेटर मिनी, मीडियम या पूरे आकार की बसें चला सकेंगे।

बसें एप सपोर्ट, सीसीटीवी कैमरों से लैस होंगी।

एग्रीगेटर और परमिटधारक को यात्रियों को केवल अधिसूचित बस क्यू शेल्टर में ही सवारियां लेना और उतारना होगा। 1 एग्रीगेटर बसों के मार्गों को निर्धारित करने में सक्षम होगा।

ऐसे मार्गों को मोबाइल या वेब आधारित एप्लिकेशन पर बताया जाएगा।

एग्रीगेटर कोई नया मार्ग शुरू करते समय या किसी मार्ग को संशोधित व समाप्त करते समय परिवहन विभाग को सूचित करेगा।

मौजूदा मार्गों में कोई भी बदलाव करने से पहले परिवहन विभाग और आम जनता को सात दिन पूर्व सूचना देनी होगी।

बिना पीयूसी के पेट्रोल पंप पहुंचे तो खैर नहीं, ट्रैफिक पुलिस ने काटे 600 से अधिक वाहनों के चालान

परिवहन विशेष न्यूज

परिवहन विभाग पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से पीयूसी की आमद पूरी कर चुके वाहनों का चालान काट रहा है। इसे अभी एक पायलट प्रोजेक्ट के तहत चुनिंदा पेट्रोल पंपों पर अंजाम दिया जा रहा है।

नई दिल्ली। राजधानी में सर्दियों के मौसम में होने वाले वायु प्रदूषण की रोकथाम को लेकर कवायद तेज हो गई है। प्रदूषण को लेकर ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) लागू है। वाहनों से होने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए परिवहन विभाग भी सक्रिय है। विभाग अब ऐसे वाहन का भी चालान काट रहा है, जिन्होंने अभी तक पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल (पीयूसी) नहीं कराया है।

परिवहन विभाग पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से पीयूसी की आमद पूरी कर चुके वाहनों का चालान काट रहा है। इसे अभी एक पायलट प्रोजेक्ट के तहत चुनिंदा पेट्रोल पंपों पर अंजाम दिया जा रहा है। विभाग के सूत्रों के मुताबिक अभी तक एक माह के भीतर 600 से अधिक वाहनों के चालान किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि यह आंकड़ा धीरे-धीरे बढ़ रहा है। इस अभियान के तहत आने वाले दिनों में पेट्रोल पंप की संख्या बढ़ाई जा सकती है।

हॉट-स्पाट व बाहरी इलाकों के पेट्रोल पंप पर हो रहे हैं चालान

दिल्ली में जिन इलाकों में प्रदूषण अधिक रहता है, उन इलाकों पर विभाग की विशेष रूप से नजर है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न प्रकाशित करने की शर्त पर बताया कि यह अभियान अभी पांच जगहों पर चल रहा है। उन्होंने कहा कि अगर उन पेट्रोल पंप की जानकारी देते हैं तो वहां वाहन चालक जाने से बचेंगे। वह कहते हैं कि यह अभी केवल पायलट प्रोजेक्ट है। इसका असर देखने को मिल रहा है अगर यह सफल हुआ तो अन्य पेट्रोल पंपों पर भी शुरू किया जाएगा।

लोगों को जागरूक करना उद्देश्य

परिवहन विभाग के एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इसका मकसद किसी का चालान काटना नहीं है, बल्कि लोगों को प्रदूषण के प्रति जागरूक करना है। अगर यह जानकारी पहले ही बता देते हैं, तो वाहन चालकों के अंदर भय का माहौल बन जाएगा। इसका मकसद केवल वाहनों चालकों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना है।

ऐसे वाहनों के हो रहे चालान

पेट्रोल पंप में आने वाले ऐसे वाहनों का चालान किया जा रहा है, जिनसे धुआं निकल रहा है। इन वाहनों की नंबर प्लेटों की तस्वीरों को पेट्रोल पंप के सर्वर के साथ ही दिल्ली परिवहन विभाग के अतिरिक्त सीपीयू में रूट कर दिया जाता है। इसके बाद खुद ही चालान कट जाता है।

स्कूल बस और वैन की टक्कर, 17 बच्चे, 1 महिला समेत ड्राइवर घायल

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली के केंद्रीय विद्यालय की एक वैन को तेज रफ्तार बस ने जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी जबरदस्त थी. वहीं निजी स्कूलों की बस भी पेड़ से टकरा गई और 19 लोग घायल हो गए.

नई दिल्ली। दिल्ली कैंट केंद्रीय विद्यालय की एक वैन जो दोपहर में छुट्टी के बाद बच्चों को घर ले जा रही थी. तभी सामने से आ रही निजी स्कूलों की तेज रफ्तार बस ने वैन में जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी जबरदस्त थी की वैन के ड्राइवर वाली साइड पूरी तरह से पिचक गई और वैन जाकर पेड़ से टकरा गई. वहीं निजी स्कूलों की बस भी पेड़ से टकरा गई और 19 लोग घायल हो गए.

मिली जानकारी के अनुसार, इस हादसे में 17 बच्चों को चोट आई साथ ही वैन का ड्राइवर और वन में बैठी एक महिला भी गंभीर रूप से घायल हुई, जिन्हें फौरन पास के कैंटोनमेंट जनरल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया. मिली जानकारी के अनुसार, तीन बच्चों को फ्रैक्चर हुआ है, जबकि दो बच्चों को हेड इंजरी है. ड्राइवर और महिला को गंभीर चोट है. इसके अलावा बाकी बच्चों को मामूली चोट लगी थी जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई.

वहीं, तीन बच्चों को फ्रैक्चर और दो को हेड इंजरी है उन्हें भी दूसरे अस्पताल में रेफर कर दिया गया है. स्कूल वेन की टक्कर बहुत तेज थी आसपास के लोगों ने तुरंत स्कूली बच्चों को वैन से निकाला और अस्पताल में भर्ती कराया. वहीं दिल्ली कैंट बोर्ड के सदस्य मणि सिंह का कहना है कि जानकारी मिली थी कि एक प्राइवेट स्कूल बस ने दिल्ली कैंट केंद्रीय विद्यालय के प्राइवेट स्कूली वैन में जोरदार टक्कर मार दी. इसमें बच्चे काफी घायल हुए हैं.

पेरेंट्स का कहना है कि स्कूल की तरफ से खबर दी गईं इस हादसे में भी उनके बच्चे घायल हुए हैं. दिल्ली कैंट की पुलिस हादसे की जांच में जुटी है और मौके से बस का ड्राइवर फरार हो गया, जिसकी तलाश पुलिस कर रही है बस के ड्राइवर के पकड़े जाने से ही हादसे का सांप जानकारी मिल पाएगी. ड्राइवर ने ड्रिंक की हुई थी या फिर एक तेज रफ्तार का केयर मासूम बच्चों को झेलना पड़ा ड्राइवर के पकड़े जाने से ही साफ हो पाएगा।

जल्द बंद होंगी डीजल की बसें

दिल्ली में एक नवंबर से नहीं मिलेगी एंट्री

यूपीएसआरटीसी के क्षेत्रयी प्रबंधक केसरी नंदन चौधरी ने बताया कि एक नवंबर से डीजल बसें दिल्ली में प्रवेश नहीं करेंगी। वहां के लिए संचालित बसों को बदलकर बीएस-छह बसों को भेजा जाएगा। इसके अलावा अन्य बसों को निर्धारित समय तक बदलने की तैयारी शुरू कर दी गई है।

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद रीजन की एनसीआर में संचालित सभी डीजल बसों का संचालन अगले साल जून तक पूरी तरह बंद हो जाएगा। डीजल बसों के दिल्ली में प्रवेश पर एक नवंबर से रोक लग जाएगी। इन्हें बीएस-छह व सीएनजी बसों में बदला जाएगा। वायु प्रदूषण प्रबंधन आयोग ने उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) के अधिकारियों के साथ बैठक कर ये फैसला लिया है।

साहिबाबाद। गाजियाबाद रीजन की एनसीआर में संचालित सभी डीजल बसों का संचालन अगले साल जून तक पूरी तरह बंद हो जाएगा। डीजल बसों के दिल्ली में प्रवेश पर एक नवंबर से रोक लग जाएगी। इन्हें बीएस-छह व सीएनजी बसों में बदला जाएगा।

वायु प्रदूषण प्रबंधन आयोग ने उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) के अधिकारियों के साथ बैठक कर ये फैसला लिया है। एनसीआर में प्रदूषण का बड़ा कारण डीजल बसों के संचालन को माना जा रहा है। इसकी रोकथाम के लिए वायु प्रदूषण प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) बसों को बंद करने के लिए परिवहन निगम के साथ लगातार बैठक कर रहा था।

अब यह फैसला लिया गया है कि सभी डीजल बसों का संचालन एनसीआर में पूरी तरह बंद किया जाएगा। इसके लिए सीएक्यूएम ने तीन श्रेणियों में बांटकर बसों को बंद करने के लिए कहा है। अगल वर्ष 30 जून तक सभी बसों का संचालन बंद कर दिया जाएगा। इससे प्रदूषण काफी हद तक कम होगा। परिवहन निगम के अधिकारियों के लिए निर्धारित समय तक बसों को बदलना चुनौती होगी।

यूपीएसआरटीसी के क्षेत्रयी प्रबंधक केसरी नंदन चौधरी ने बताया कि एक नवंबर से डीजल बसें दिल्ली में प्रवेश नहीं करेंगी। वहां के लिए संचालित बसों को बदलकर बीएस-छह बसों को भेजा जाएगा। इसके अलावा अन्य बसों को निर्धारित समय तक बदलने की तैयारी शुरू कर दी गई है। इसके लिए मुख्यालय को रिपोर्ट भेज दी गए है।

तीन श्रेणियों में डीजल बसें होंगी बंद

एनसीआर से एनसीआर में संचालित बसें 31 मार्च 2024

एनसीआर से दिल्ली में संचालित बसें 01 नवंबर 2023

नॉन एनसीआर से एनसीआर में संचालित 30 जून 2024

505 बसों के संचालन पर लग जाएगी रोक

गाजियाबाद रीजन में करीब 505 डीजल बसों का संचालन होता है। इन बसों के संचालन पर दिल्ली व एनसीआर में रोक लगने पर इन्हें अन्य जिलों में भेजा जाएगा। इनमें ऐसे जिले होंगे जहां वायु प्रदूषण की समस्या नहीं है।

केवल सीएनजी और बीएस-छह बसें चलेंगी

परिवहन निगम के अधिकारियों का कहना है कि जिन बसों से प्रदूषण नहीं फैलता उन्हें दिल्ली में चलाने पर किसी तरह की कोई रोकथाम नहीं रहेगी। डीजल बसों के विकल्प में सीएनजी व बीएस-छह बसों को चलाया जाएगा। इन बसों से बहुत कम प्रदूषण फैलता है।

गाजियाबाद रीजन में कुल डीजल, सीएनजी व बीएस-छह बसें

डिपो	कुल बसें
साहिबाबाद	143
कौशांबी	153
लोनी	96
हापुड़	87
सिकंद्राबाद	65
बुलंदशहर	76
खुर्जा	77
कुल	697

बसों की श्रेणी

श्रेणी	कुल बसें
BS-2	34
BS-3	370
BS-4	101
BS-6	82
CNG	182

सीएक्यूएम ने सभी डीजल बसों को बदलने के लिए कहा है। निर्धारित तिथि तक सभी बसों को बदलने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके लिए मुख्यालय को पत्र भेजा गया है।-केसरी नंदन चौधरी, क्षेत्रीय अधिकारी, यूपीएसआरटीसी।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

हर क्षेत्र में मान-सम्मान हासिल करती हैं 'P' नाम की लड़कियां, जानिए इनकी 5 खूबियां

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, नाम के पहले अक्षर से आप व्यक्ति के स्वभाव से जुड़ी बातें पता लगा सकते हैं। व्यक्ति का नाम उसकी तरक्की, करियर पर बहुत ही प्रभाव पड़ता है। नाम सिर्फ व्यक्ति की पहचान ही नहीं बल्कि ग्रह-नक्षत्र और योग का प्रतिनिधित्व करने में भी सक्षम होते हैं। आज ऐसे ही आपको पी नाम से शुरु होने वाली लड़कियों के स्वभाव से जुड़ी कुछ बातें बताएंगे। आइए जानते हैं यह लड़कियां कैसे स्वभाव की मालकिन होती हैं।

जिद्दी होती हैं

इसन नाम की लड़कियां बहुत ही जिद्दी स्वभाव की होती हैं। यह हर क्षेत्र में मान-सम्मान हासिल करती हैं। सामने वाला इनके बारे में क्या सोचता है इस बात से इन्हें बहुत फर्क पड़ता है।

दिमाग की होती हैं तेज

यह लड़कियां मन से साफ होती हैं और इनके दिल में किसी के लिए भी कोई खोट नहीं होता। इन लड़कियों का सेंस ऑफ ह्यूमर काफी अच्छा होता है।

अपनी रेप्यूटेशन का रखती हैं ध्यान

यह लड़कियां अपनी रेप्यूटेशन का खास ध्यान रखती हैं। पी नाम की लड़कियों के लिए इनकी छवि बहुत ही मायने रखती है।

प्यार के मामले में होती हैं अनलकी

यह लड़कियां प्यार के मामले में अनलकी होती हैं। इनका विचार यह प्यार तो करती हैं लेकिन इस मामले में किस्मत इनका साथ नहीं देती। कभी इनका प्रेमी से झगड़ा हो जाता है या फिर कभी प्रेमी उनकी छोड़ जाता है। इन लड़कियों की प्यार के मामले में किस्मत साथ नहीं देती।

नई-नई चीजें करती हैं एक्सपलोर

यह लड़कियां काफी बुद्धिमान होती है। इनमें नई-नई चीजों को एक्सपलोर करने की और नई चीजें सीखने की बहुत ही एक्साइटमेंट होती है। अपने एक्साइटमेंट के चलते यह करियर में भी तरक्की जरुर हासिल करती हैं।

सभी गांठें नहीं होती हैं ब्रेस्ट कैंसर, करती हैं इन बीमारियां की ओर इशारा

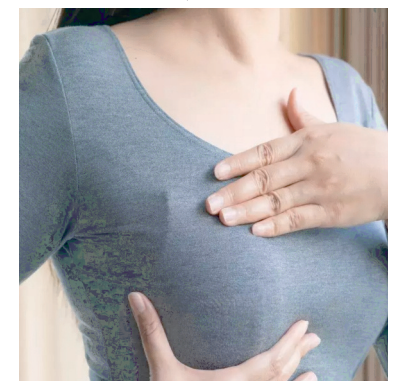

आजकल ज्यादातर महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर की चपेट में आ रही हैं। इसके चलते इसको लेकर जागरूकता महिलाओं के बीच बढ़ी है। महिलाओं अकसर खुद घर पर ही अपने ब्रेस्ट में गांठ के लिए चेक करती रहती हैं। ब्रेस्ट में किसी तरीका का परिवर्तन बहुत चिंता का कारण बन सकता है। ये तो समझ में आता है। लेकिन हर बार ब्रेस्ट में परिवर्तन की वजह ब्रेस्ट कैंसर नहीं होती हैं।

ब्रेस्ट में कोई भी लक्षण, जैसे कि ब्रेस्ट में गांठ, निपल से स्राव या ब्रेस्ट में दर्द, आदि की जांच करके इसकी सही वजह एक्सपर्ट ही बता सकते हैं। आपको बता दें ब्रेस्ट के जुड़ी और भी लक्षण होते हैं जो ब्रेस्ट कैंसर की ओर नहीं बल्कि किसी और बीमारी की ओर इशारा करते हैं। आइए आपको बताते हैं इनके बारे में....

फाइब्रोएडीनोमा

फाइब्रोएडीनोमा ब्रेस्ट का सबसे आम किस्म का ट्यूमर है। ज्यादातर ये 15 से 35 साल की उम्र के लोगों में होते हैं। ब्रेस्ट examination के दौरान में ये अक्सर एक सख्त, गोल, चिकनी और रबड़ जैसी स्तन गांठ के रूप में दिखाई देते हैं। कई फ़ाइब्रोएडीनोमा का समय-समय पर अल्ट्रासाउंड करके इलाज किया जा सकता है। ये भविष्य में स्तन कैंसर के खतरे को नहीं बढ़ाते हैं।

ब्रेस्ट सिस्ट

कभी-कभी, ब्रेस्ट में सिस्ट विकसित हो सकते हैं। सिस्ट तरल पदार्थ से भरे सेल्स होते हैं। ये breast tissue में गांठों या मैमोग्राम पर पाई जा सकती हैं। वे हमेशा लक्षण पैदा नहीं करते हैं, लेकिन जैसे- जैसे सिस्ट बढ़ते हैं ब्रेस्ट में दर्द और sensitivity पैदा होती हैं। ये 35 से 60 साल की उम्र के बीच आम हैं, और पीरियड्स के साथ उतार-चढ़ाव हो सकता है। वहीं ब्रेस्ट में सिस्ट ब्रेस्ट कैंसर का खतरा नहीं बढ़ता है।

मास्टिटिस

ये ब्रेस्ट tissue में एक तरह की सूजन है जो ब्रेस्ट में दूध नलिकाओं के ब्लॉक होने से या बैक्टीरिया के कारण होती है। यह आमतौर पर ब्रेस्टफीड करवाने वाली महिलाओं को प्रभावित करता है, लेकिन यह उन महिलाओं में भी हो सकता है जो ब्रेस्टफीड नहीं करवाती हैं। सूजन से ब्रेस्ट में दर्द, सूजन, गर्मी और लालिमा होती है। मास्टिटिस का इलाज एंटीबायोटिक दवाओं और दर्द निवारक दवाओं से किया जा सकता है।

पैपिलोमा

पेपिलोमा milk duct में एक वृद्धि है और यह निप्पल डिस्चार्ज के रूप में प्रकट हो सकता है। यह निप्पल के पीछे या बगल में एक छोटी गांठ के रूप में भी मौजूद हो सकता है। बायोप्सी यह समझने में मदद कर सकती है कि क्या पेपिलोमा का इलाज करने की जरूरत है या नहीं, क्योंकि कभी-कभी उनमें असामान्य कोशिकाएं हो सकती हैं जो ब्रेस्ट कैंसर के खतरे को बढ़ा सकती हैं। वहीं इसका इलाज duct के बढ़े हुए आकार पर भी निर्भर करता है, यदि कई गांठें हैं या यदि वे लक्षण पैदा कर रहे हैं। पेपिलोमा को हटाने के लिए सर्जरी भी की जाती है।

असामान्य हाइपरप्लासिया (Atypical hyperplasia)

इसमें ब्रेस्ट की दूध नलिकाओं (milk ducts) में असामान्य कोशिकाओं यानी सेल्स बनते है। बता दें एटिपिकल हाइपरप्लासिया कोई कैंसर नहीं है, लेकिन इससे जरूर ब्रेस्ट कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। इस कारण से, कभी-कभी उस क्षेत्र को सर्जरी से हटा दिया जाता है। अक्सर, एक्सपर्ट्स कैंसर के खतरे को कम करने के लिए उस क्षेत्र को सर्जरी से हटा दिया जाता है। वहीं इसके इलाज के लिए खूब सारी screenings और दवाएं लेने की सलाह दी जाती है।

कामकाजी महिलाओं के लिए आवाज उठाने वाली क्लॉडिया गोल्डिन को अर्थशास्त्र का नोबेल प्राइज

हार्वर्ड विश्वविद्यालय की प्रोफेसर क्लॉडिया गोल्डिन को श्रम बाजार में स्त्री-पुरुष के बीच भेदभाव संबंधी समझ को बेहतर बनाने के लिए अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार देने की घोषणा की गई है। 'रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज' के महासचिव हैंस एलेग्रेन ने इस पुरस्कार की घोषणा की है। गोल्डिन इस पुरस्कार से सम्मानित होने वाली तीसरी महिला हैं। उन्होंने पुरुषों और महिलाओं के वेतन में अंतर के कारणों को समझने के लिए काफी शोध किया है।

अर्थशास्त्र विज्ञान क्षेत्र में पुरस्कार विजेता का चयन करने वाली समिति के प्रमुख जैकब स्वैनसन ने कहा- ''श्रम बाजार में महिलाओं की भूमिका को समझना समाज के लिए महत्वपूर्ण है। क्लॉडिया गोल्डिन के अभूतपूर्व शोध के लिए धन्यवाद, अब हम अंतर्निहित कारकों के बारे में और अधिक जानते हैं तथा भविष्य में किन बाधाओं को दूर करने की आवश्यकता हो सकती है।''

गोल्डिन ने अमेरिका के 200 साल के इकनॉमिक इतिहास में महिलाओं की भागीदारी का अध्ययन किया। पुरस्कार समिति के सदस्य रैंडी एच. ने कहा कि गोल्डिन समाधान पेश नहीं करती हैं, लेकिन उनका शोध नीति निर्माताओं को समस्या से निपटने में मददगार साबित हो सकता है। उन्होंने कहा- ''गोल्डिन (श्रम बाजार में) लैंगिक भेदभाव के मूल स्त्रोत पर ध्यान आकर्षित करती हैं और यह कि समय के साथ तथा विकास के क्रम में इसमें किस तरह बदलाव आया। इसलिए, कोई एक नीति काफी नहीं है।''

एलेग्रेन ने बताया कि पुरस्कार की घोषणा के बाद 77 वर्षीय गोल्डिन ''आश्चर्यचकित और बेहद खुश'' हुईं। नोबेल पुरस्कार के तहत विजेता को 10 लाख डॉलर का पुरस्कार दिया जाता है। दिसंबर में ओस्लो और स्टॉकहोम में होने वाले पुरस्कार समारोहों में विजेताओं को 18 कैरट का स्वर्ण पदक और एक डिप्लोमा भी दिया जाता है।

बता दें कि क्लाउडिया गोल्डिन फिलहाल हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में इकोनॉमिक्स की प्रोफेसर के तौर पर कार्य कर रही हैं। वह एनबीईआर के जेंडर इन द इकोनॉमी ग्रुप की को-डायरेक्टर भी हैं। क्लाउडिया गोल्डिन 1989-2017 के दौरान एनबीईआर के अमेरिकन इकोनॉमिक प्रोग्राम की डेवलपमेंट डायरेक्टर थीं। उन्होंने कहा कि डिटेक्टिव होने के पीछे सोच ये रहती है कि आप खुद से सवाल पूछते रहें और उनके सवालों के जवाब मिलने तक कार्यरत रहें. आज भी उनके अंदर ये सोच जिंदा है।

वजन कम करने से लेकर पाचन स्वस्थ रखेगी मिक्स दाल, जानिए इसके बेशुमार फायदे

दाल का सेवन करना स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होता है इसलिए घरों में एक बार इसे जरुर खाते हैं। दाल खाने से हड्डियां मजबूत होती हैं, पाचन तंत्र स्वस्थ रहता है। पहले समय में दालों को मिक्स करके बनाया जाता था इस तरह की दाल स्वादिष्ट होने के साथ-साथ पोषक तत्वों को बढ़ाती है। मिक्स दाल को कई दालों के साथ मिलाकर बनाया जाता है जैसे अरहर, मूंग, चना, मसूर और उड़द की दाल इसमें शामिल की जाती है। इन सारी दालों में कई सारे पोषक तत्व पाए जाते हैं जैसे प्रोटीन, कैल्शियम, कार्बोहाइड्रेट और फाइबर। इस दाल का सेवन करने से शरीर को ताकत मिलती है और शरीर की कमजोरी भी दूर होती है। तो चलिए आज आपको बताते हैं कि मिक्स दाल खाने से शरीर को और क्या-क्या फायदे होंगे....

वजन होगा कम

मिक्स दाल का सेवन करने से वजन कम करने में भी सहायता मिलती है। इसमें मौजूद फाइबर पेट को लंबे समय तक भरकर रखता है जिससे भूख कम लगती है। इससे खाने की इच्छा शक्ति भी कम होती है जिससे वजन कम करने में सहायता मिलती है। मिक्स दाल में कैलोरी की मात्रा भी काफी कम मौजूद होती है। ऐसे में यदि आप वजन कम करना चाहते हैं तो इसे अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

बीमारियों से होगा बचाव

इसके अलावा मिक्स दाल खाने से डायबिटीज, कोलेस्ट्रॉल जैसी बीमारियां भी नियंत्रण में रहती हैं। इन दालों में फैट कम मात्रा में पाया जाता है जिससे दिल संबंधी बीमारियोंका जोखिम कम होता है। इसमें मौजूद फाइबर हार्ट को हेल्दी रखने में भी मदद करता है।

हड्डियां बनेगी मजबूत

मिक्स दाल में कैल्शियम काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है यह हड्डियों को मजबूत बनाने और मांसपेशियों में होने वाले दर्द को भी कम करने में भी मदद करती हैं। मिक्स दाल खाने से कमजोरी दूर होती है और शरीर को ताकत मिलती है।

पाचन रहेगा स्वस्थ

यह पाचन संबंधी बीमारियों को दूर करने के लिए भी बेहद लाभकारी मानी जाती हैं। इसका सेवन करने से पेट साफ होता है और कब्ज की समस्या में भी आराम मिलता है। इसके अलावा मिक्स दाल खाने से अपच, गैस, बदहजमी और एसिडिटी से भी राहत मिलती है।

इम्यूनिटी बनेगी मजबूत

मिक्स दाल का सेवन करने से मौसमी बीमारियों से भी बचाव होता है क्योंकि इसमें विटामिन-सी काफी अच्छी मात्रा में मौजूद होता है। यह शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाकर बीमारियों से बचाने में मदद करता है। मिक्स दाल खाने से वायरल बीमारियों का खतरा कम होता है और शरीर लंबे समय तक स्वस्थ रहता है।

मनीष सिसोदिया को मिलेगी राहत या रहेंगे जेल में?

जमानत अर्जी पर सुप्रीम कोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला

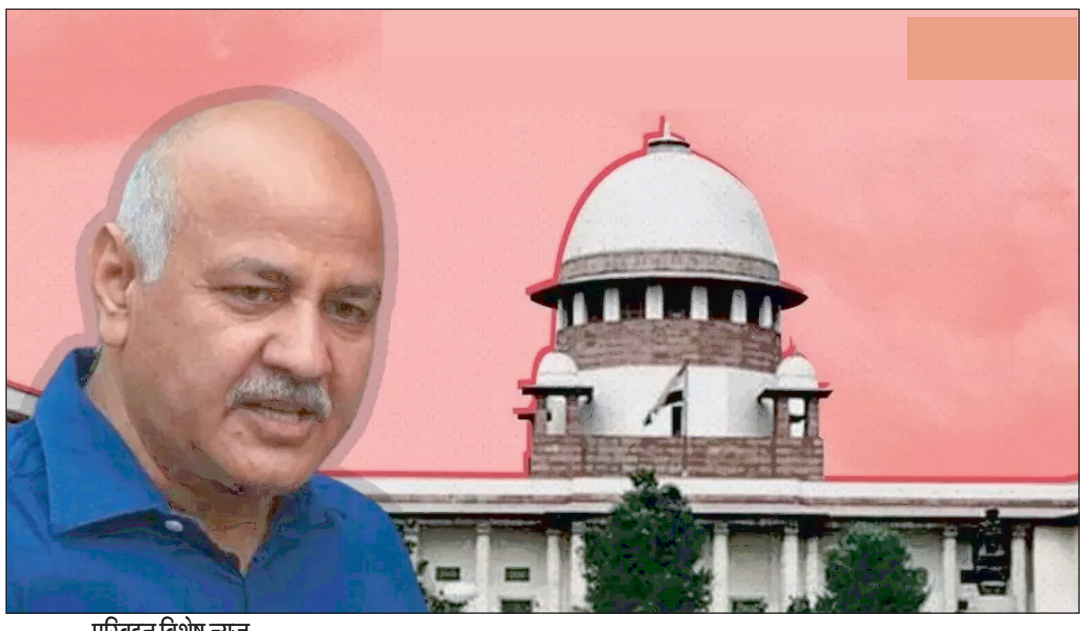

परिवहन विशेष न्यूज

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली आबकारी नीति घोटाला (Delhi Excise Policy Scam) मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (AAP) के नेता मनीष सिसोदिया की जमानत अर्जी पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। बता दें कि कोर्ट आबकारी नीति घोटाला से जुड़े भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग मामले से जुड़ी अर्जी पर सुनवाई कर रहा है। सिसोदिया को 26 फरवरी को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था।

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली आबकारी नीति घोटाला (Delhi Excise Policy Scam) मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (AAP) के नेता मनीष सिसोदिया की जमानत अर्जी पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। बता दें कि कोर्ट आबकारी नीति घोटाला से जुड़े भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग मामले से जुड़ी अर्जी पर सुनवाई कर रहा है।

सीबीआई ने मनीष सिसोदिया को 26 फरवरी को दिल्ली आबकारी नीति घोटाला में उनकी कथित भूमिका के लिए गिरफ्तार किया था। तब से वह हिरासत में हैं। सिसोदिया ने 28 फरवरी को दिल्ली कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया था। वहीं, ईडी ने उन्हें 9 मार्च को घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के बाद तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया था।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और एसवीएन भट्टी की पीठ ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) और प्रवर्तन निदेशालय (ED) की ओर से पेश उनके वकील अभिषेक सिंघवी और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (ASG) एसवी राजू को सुनने के बाद सिसोदिया की दो अलग-अलग जमानत याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

सोमवार को SC ने कहा- आप किसी को हमेशा के लिए जेल में नहीं रख सकते

जस्टिस संजीव खन्ना और एसवीएन भट्टी की खंडपीठ ने जमानत अर्जी पर सोमवार को सुनवाई करते हुए ईडी से पूछा था कि सिसोदिया पर लगाए गए आरोपों पर अभी तक बहस क्यों शुरू नहीं हुई, वह कब तक होगी? ईडी की ओर से ASG राजू कोर्ट में पेश हुए थे, जिन्होंने कहा कि शराब नीति घोटाला (Liquor Policy Scam Case) मामले में ईडी और सीबीआई आम आदमी पार्टी (AAP) को आरोपी बनाने पर विचार कर रही है। बता दें कि सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुनवाई मंगलवार को भी जारी रहेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने ईडी से पूछा कि मनीष सिसोदिया पर लगाए गए आरोपों पर अभी तक बहस क्यों शुरू नहीं हुई है। कोर्ट ने कहा कि कहा कि आप किसी को अनंत काल तक जेल में नहीं रख सकते हैं। आप आश्वस्त नहीं हैं कि आप कब बहस कर सकते हैं, क्योंकि एक बार आरोप पत्र दाखिल हो जाने के बाद बहस शुरू होनी चाहिए।

दिल्ली हाईकोर्ट ने नहीं दी जमानत

दिल्ली हाईकोर्ट ने 30 मई सीबीआई मामले में उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि उपमुख्यमंत्री और उत्पाद शुल्क मंत्री (Excise Minister) होने के साथ ही वो एक हाई-प्रोफाइल व्यक्ति हैं, जो गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं।

पोस्टर में दिखाया भारत का गलत नक्शा, कार्यक्रम रद्द

डीयू के पूर्वी एशिया अध्ययन केंद्र में 16 अक्टूबर को प्रस्तावित कार्यक्रम के पोस्टर में भारत का गलत नक्शा दिखाने पर कार्यक्रम को रद कर दिया गया है। डीयू ने मामले में अधिसूचना जारी की और भारत सरकार की ओर से सत्यापित नक्शे को ही कार्यक्रम प्रोस्पेक्टस और किसी किताब में दिखाने का निर्देश दिया। स्पष्ट किया है कि अगर ऐसा नहीं होता है तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के पूर्वी एशिया अध्ययन केंद्र में 16 अक्टूबर को प्रस्तावित कार्यक्रम के पोस्टर में भारत का गलत नक्शा दिखाने पर कार्यक्रम को रद्द कर दिया गया है। डीयू ने मामले में अधिसूचना जारी की और भारत सरकार की ओर से सत्यापित नक्शे को ही कार्यक्रम, प्रोस्पेक्टस और किसी किताब में दिखाने का निर्देश दिया। स्पष्ट किया है कि अगर ऐसा नहीं होता है, तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पूर्वी एशिया अध्ययन केंद्र में छात्रों की ओर से चाइनाज मिलिट्री माडराइजेशन और इट्स इम्प्लीकेशन ऑफ इंडिया नाम से कार्यक्रम प्रस्तावित किया था। इसमें एयर मार्शल अनिल खोलसा (सेवानिवृत्त), कमांडर एजे सिंह (सेवानिवृत्त नौसेना) और मेजर जनरल एसवीपी सिंह, एसवीएम को आमंत्रित किया गया था।

इस कार्यक्रम के लिए जो पोस्टर लॉन्च किया गया था। उसमें भारत का नक्शा गलत दिखा दिया गया था। सूत्रों ने बताया कि उसमें चीन के कुछ इलाके भारत में दिखा दिए गए थे। पोस्टर इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो गया। बाद में इसकी शिकायत डीयू प्रशासन से की गई। डीयू के संज्ञान लेने पर विभाग ने छात्रों को कार्यक्रम करने की इजाजत ही नहीं दी। कार्यक्रम की आयोजन समिति में शामिल रही एक छात्रा ने कहा, गलती से नक्शा गलत प्रकाशित हो गया था। गलती पकड़ में आने पर सही पोस्टर हमने अतिथियों और लोगों को भेज दिए थे, लेकिन विभाग ने कार्यक्रम करने की इजाजत नहीं दी।

सांसद राघव चड्ढा को हाईकोर्ट से मिली राहत, सरकारी बंगला खाली करने के आदेश पर लगी रोक

सरकारी बंगला मामले में दिल्ली हाई कोर्ट से आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा को राहत मिली है। निचली अदालत के निर्णय को चुनौती देने वाली याचिका पर चड्ढा को राहत देते हुए हाईकोर्ट ने राज्यसभा सचिवालय को कानून की उचित प्रक्रिया के बिना चड्ढा को सरकारी बंगले से बेदखल नहीं करने से संबंधित अंतरिम आदेश को बहाल कर दिया है।

नईदिल्ली। सरकारी बंगला मामले में दिल्ली हाई कोर्ट से आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा को राहत मिली है। निचली अदालत के निर्णय को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने राज्यसभा सचिवालय को कानून की उचित प्रक्रिया के बिना चड्ढा को सरकारी बंगले से बेदखल नहीं करने से संबंधित अंतरिम आदेश को बहाल कर दिया है।

आवेदन का निर्णय आने तक लागू रहेगी राहत

हाईकोर्ट ने कहा कि बंगले को लेकर अंतरिम आदेश में लगाई गई रोक चड्ढा द्वारा अंतरिम राहत की मांग को लेकर दायर आवेदन पर निर्णय होने तक लागू रहेगी।

छह अक्टूबर को पटियाला हाउस कोर्ट के अतिरिक्त जिला न्यायाधीश सुधांशु कौशिक ने 18 अप्रैल को मजिस्ट्रेट अदालत द्वारा पारित एक अंतरिम आदेश को रद्द कर दिया।

अंतरिम आदेश के तहत मजिस्ट्रेट अदालत ने राज्यसभा सचिवालय को कानून की उचित प्रक्रिया के बिना चड्ढा को सरकारी बंगले से बेदखल नहीं करने का निर्देश दिया था।

कोर्ट के आदेश के बाद राघव ने सोशल मीडिया पर किया पोस्ट

दिल्ली उच्च न्यायालय का फैसला भाजपा की तानाशाही और अन्याय पर करारा तमाचा है। यह मकान या दुकान की नहीं, संविधान को बचाने की लड़ाई है। अंत में, सत्य और न्याय की जीत हुई, मैं बस यह कहना चाहता हूं कि वे मुझे मेरे आधिकारिक आवास से हटा सकते हैं, वे मुझे संसद से निकाल सकते हैं, लेकिन वे मुझे लाखों भारतीयों के दिलों से नहीं हटा सकते, जहां मैं वास करता हूं।

20 साल बाद जिंदा हुआ 'मरा' आदमी, उसको सामने देख दिल्ली पुलिस भी हैरान; नौसेना में पूर्व कर्मचारी की जानिए पूरी कहानी

2004 में ही खुद को मरा घोषित कर चुके नौ सेना के कर्मचारी को दिल्ली पुलिस ने 20 साल बाद गिरफ्तार कर लिया है। उसने शराब के नशे में कुछ छोटी-मोटी बातों पर आरोपी बालेश कुमार ने अपने भाई सुंदर लाल के साथ मिलकर समयपुर बादली ट्रांसपोर्ट नगर में राजेश उर्फ खुशीराम नामक व्यक्ति की हत्या कर शव को दिल्ली के पीएस बवाना इलाके में फेंक दिया।

नईदिल्ली। 2004 में ही खुद को मरा घोषित कर चुके नौ सेना के कर्मचारी को दिल्ली पुलिस ने 20 साल बाद गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किया गया आरोपी हत्या और चोरी के मामले में वांछित है। आरोपी के खिलाफ बवाना और तिलक मार्ग थाने में हत्या और चोरी का मामला दर्ज है।

दिल्ली के नजफगढ़ में रहता आरोपी

गिरफ्तार किए गए आरोपी का नाम बालेश कुमार (63) है। वह दिल्ली के नजफगढ़ इलाके में रह रहा था। जांच में खुलासा हुआ कि एक मई 2004 को आरोपी ने खुद को जोधपुर (राजस्थान) में ट्रक में आग लगा दी थी, जिसमें दो लोगों की मौत गई, जिनमें से एक की पहचान बालेश कुमार के रूप में हुई।

खुशीराम की बालेश कुमार ने की थी हत्या

जांच से पता चला कि शराब के नशे में कुछ छोटी-मोटी बातों पर आरोपी बालेश कुमार ने अपने भाई सुंदर लाल के साथ मिलकर समयपुर बादली ट्रांसपोर्ट नगर में राजेश उर्फ खुशीराम नामक व्यक्ति की हत्या कर दी थी। इसके बाद शव को दिल्ली के पीएस बवाना इलाके में फेंक दिया।

पत्नी के साथ विवाहेतर संबंध को लेकर हुई बहस

हत्या की घटना वाले दिन आरोपी बालेश कुमार अपने भाई सुंदर लाल और पीड़ित मृतक राजेश उर्फ खुशीराम के साथ शराब पी रहा था। शराब पीने के दौरान, मृतक राजेश की पत्नी के साथ बालेश कुमार के विवाहेतर संबंध और उनके बीच कुछ पैसों के लेन-देन के मुद्दे पर उनके बीच तीखी बहस हुई।

आरोपी बालेश ने बनाई अपनी नई पहचान

पुलिस ने हत्या के मामले में उसके भाई सुंदर लाल को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि साजिश को आगे बढ़ाते हुए अभियुक्त बालेश कुमार की मृत्यु के संबंध में मृत्यु प्रमाणपत्र दाखिल किया गया। जोधपुर के अग्निकांड में खुद को मृत घोषित करने के बाद आरोपी बालेश ने अपनी नई पहचान अमन सिंह के रूप में बनाई।

मैदानगढ़ी में नाबालिग ने कार मैकेनिक को तीन बार गोदा चाकू, उतारा मौत के घाट; हिरासत में आरोपी

दिल्ली के मैदानगढ़ी इलाके में सोमवार दोपहर में उस वक्त हड़कंप मच गया जब वहां एक शख्स की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान कार मैकेनिक गंगाराम उर्फ संजय उर्फ खांडू के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

दक्षिणी दिल्ली। दिल्ली के मैदानगढ़ी इलाके में सोमवार दोपहर में उस वक्त हड़कंप मच गया जब वहां एक शख्स की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान कार मैकेनिक गंगाराम उर्फ संजय उर्फ खांडू के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार मैदानगढ़ी के संजय कॉलोनी में कल दोपहर करीब ढाई बजे इलाके के ही एक नाबालिग ने कार मैकेनिक संजय पर चाकू से तीन वार कर दिए और फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने संजय को आनन-फानन में फोर्टिस अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

बारिश और तेज हवा से गिरा रामलीला का पंडाल, 11 वर्षीय बच्चे सहित चार घायल

दिल्ली में सोमवार शाम को लाल किले में आयोजित रामलीला देखने पहुंचे 11 वर्षीय बच्चे के सिर पर पंडाल का एक हिस्सा गिर गया जिससे मासूम घायल हो गया। इस हादसे में तीन अन्य लोगों को भी मामूली चोटें आई हैं। डॉक्टरों ने बताया कि अब बच्चे हालात स्थिर और वह खतरे से बाहर है लेकिन अभी बच्चे को डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है।

नई दिल्ली। दिल्ली में सोमवार शाम को लाल किले में आयोजित रामलीला देखने पहुंचे 11 वर्षीय बच्चे के सिर पर पंडाल का एक हिस्सा गिर गया, जिससे मासूम घायल हो गया। इस हादसे में तीन अन्य लोगों को भी मामूली चोटें आई हैं। जानकारी के मुताबिक, सोमवार रात को लगभग 10 बजकर 40 मिनट पर बारिश और तेज हवा का कारण रामलीला के लिए लगाए गए पंडाल का एक हिस्सा बच्चे के सिर पर गिर गया, जिससे बच्चे सिर पर चोटें आई हैं। बच्चे को एम्बुलेंस से ले जाकर अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने बताया कि अब बच्चे हालात स्थिर और वह खतरे से बाहर है, लेकिन अभी बच्चे को डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है।

सीएम केजरीवाल ने पहलवान दीपक पुनिया से की मुलाकात

कहा- एशियन गेम्स में मेडल लाने वाले खिलाड़ियों को करेंगे सम्मानित

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को मुलाकात की है। बता दें कि दीपक पुनिया ने एशियन गेम्स में 86 किग्रा कैटेगरी में भारत के लिए गोल्ड मेडल हासिल किया। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने दीपक पुनिया से मुलाकात के बाद कहा कि जल्द ही हम एशियन गेम्स में देश के लिए मेडल लाने वाले दिल्ली के खिलाड़ियों को एक साथ सम्मानित करेंगे।

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को मुलाकात की है। बता दें कि दीपक पुनिया ने एशियन गेम्स में 86 किग्रा कैटेगरी में भारत के लिए गोल्ड मेडल हासिल किया। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने दीपक पुनिया से मुलाकात के बाद कहा कि जल्द ही हम एशियन गेम्स में देश के लिए मेडल लाने वाले दिल्ली के खिलाड़ियों को एक साथ सम्मानित करेंगे।

अरविंद केजरीवाल ने X (पूर्व में Twitter) पर लिखा कि एशियन गेम्स में 86kg कैटेगरी में भारत को सिल्वर मेडल दिलाने वाले दिल्ली के पहलवान दीपक पुनिया जी को आज अपने घर चाय पर बुलाया। दीपक ने अपने शानदार खेल से देश और दिल्ली का नाम रोशन किया है। उनकी बेहतरीन जीत की उन्हें बधाई दी एवं भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। जल्द ही हम दिल्ली के उन सभी खिलाड़ियों को एक साथ सम्मानित करेंगे जो एशियन गेम्स में देश के लिए मेडल लेकर आए हैं।

द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत करने में जुटे भारत और ब्रिटेन, FTA के बढ़े आसार

वैश्विक कूटनीति में भारी अनिश्चितता के बीच भारत और ब्रिटेन अपने द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत करने में जुटे हुए हैं। एक तरफ दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर सहमति तकरीबन बन चुकी है दूसरी तरफ सोमवार को भारत और ब्रिटेन के बीच रणनीतिक रिश्तों को मजबूत करने के लिए स्थापित टू प्लस टू वार्ता संपन्न हुई। इसमें दोनों तरफ से विदेश और रक्षा मंत्रालयों के संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

नई दिल्ली। वैश्विक कूटनीति में भारी अनिश्चितता के बीच भारत और ब्रिटेन अपने द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत करने में जुटे हुए हैं। एक तरफ दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर सहमति तकरीबन बन चुकी है, दूसरी तरफ सोमवार को भारत और ब्रिटेन के बीच रणनीतिक रिश्तों को मजबूत करने के लिए स्थापित टू प्लस टू वार्ता संपन्न हुई। इसमें दोनों तरफ से विदेश और रक्षा मंत्रालयों के संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। इस बैठक को इस महीने के अंत में दोनों देशों के रक्षा व विदेश मंत्रियों की अगुआई में होने वाली टू प्लस टू वार्ता की तैयारी के तौर पर देखा जा रहा है।

इस महीने के अंत में ब्रिटेन के पीएम ऋषि सुनक के भारत आने की संभावना है। माना जा रहा है कि नई दिल्ली में सुनक और पीएम नरेन्द्र मोदी दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की घोषणा करेंगे। सोमवार को हुई टू प्लस टू वार्ता के दौरान व्यापार और निवेश, रक्षा, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों, नागरिक उड्डयन, स्वास्थ्य और ऊर्जा जैसे कई प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने भारत-प्रशांत क्षेत्र सहित अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य पर भी चर्चा की और आतंकवाद के खिलाफ सहयोग बढ़ाने पर बातचीत हुई। भारत टू प्लस टू वार्ता के ढांचे में बहुत ही सीमित देशों के साथ विमर्श करता है।

इसमें अमेरिका, जापान, रूस और आस्ट्रेलिया शामिल हैं। पिछले वर्ष ही मोदी और सुनक के बीच हुई पहली मुलाकात में यह फैसला किया गया था कि रणनीतिक हितों के मामले में बेहतर सामंजस्य बनाने के लिए रक्षा व विदेश मंत्रियों की अगुआई में बातचीत होनी चाहिए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बताया कि सोमवार की बैठक में वर्ष 2030 के लिए द्विपक्षीय संबंधों को लेकर निर्धारित लक्ष्यों और संबंधों के विविध आयामों को लेकर चर्चा हुई है। मई, 2021 में भारत और ब्रिटेन ने आपसी रिश्तों के दीर्घकालिक लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए रोडमैप-2030 की घोषणा की थी।

इसमें कारोबारी रिश्तों से लेकर सैन्य संबंधों, तकनीक व विज्ञान क्षेत्र में, निवेश क्षेत्र को लेकर महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किए गए हैं। खासतौर पर सैन्य व कूटनीतिक क्षेत्र में आपसी संबंधों को किस तरह से आगे ले जाएं, टू प्लस टू इस पर काम करेगा। सनद रहे कि पिछले पांच वर्षों से भारत और ब्रिटेन की सरकारों की तरफ से आपसी रिश्तों पर बहुत ज्यादा फोकस किया जा रहा है।

मौजूदा ब्रिटिश पीएम सुनक से पहले पूर्व पीएम बोरिस जानसन के साथ पीएम मोदी के बहुत ही अच्छे संबंध थे जिसका असर द्विपक्षीय रिश्तों पर भी दिख रहा था। पिछले दिनों खालिस्तान समर्थकों और ब्रिटेन में छिपे आर्थिक भगोड़ों के प्रत्यर्पण के मुद्दे पर कभी-कभी दोनों के रिश्तों में कुछ तनाव आया लेकिन फिलहाल इन दोनों मुद्दों पर ब्रिटिश सरकार का रुख सकारात्मक है। यही वजह है कि मुक्त व्यापार समझौते के मुद्दे पर भी कई अड़चनों के बावजूद अब सहमति बनती दिख रही है।

> पिछले वर्ष ही मोदी और सुनक के बीच हुई पहली मुलाकात में यह फैसला किया गया था कि रणनीतिक हितों के मामले में बेहतर सामंजस्य बनाने के लिए रक्षा व विदेश मंत्रियों की अगुआई में बातचीत होनी चाहिए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बताया कि सोमवार की बैठक में वर्ष 2030 के लिए द्विपक्षीय संबंधों को लेकर निर्धारित लक्ष्यों और संबंधों के विविध आयामों को लेकर चर्चा हुई है।

रैपिड एक्स: 17 किमी तक जवानों का पहरा, घर पर रिश्तेदारों के आने पर मनाही; पीएम मोदी के कार्यक्रम में कुछ ऐसी है सुरक्षा

परिवहन विशेष न्यूज

साहिबाबाद में रैपिडएक्स के उद्घाटन कार्यक्रम को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कार्यक्रम में रैपिड ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। पीएम मोदी के कार्यक्रम को देखते हुए पांच हजार सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की जाएगी। इसके अलावा जनसभा स्थल के आसपास रहने वाले लोगों के घर रिश्तेदार मित्र परिचित नहीं आ सकेंगे। सुरक्षा की दृष्टि से कार्यक्रम स्थल के आसपास रहने वाले लोगों का सत्यापन होना है।

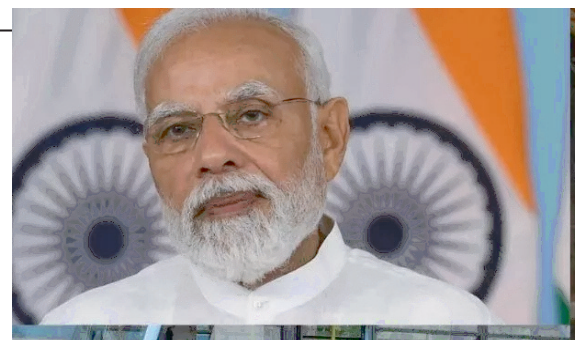

गाजियाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 अक्टूबर को रैपिडएक्स का उद्घाटन करने के लिए साहिबाबाद आएंगे। इसके लिए तैयारियां जोरों पर हैं। मंगलवार को विशेष सुरक्षा दल (एसपीजी) ने कार्यक्रम स्थल पर डेरा डाल लिया है। अधिकारियों ने भी जनसभा स्थल और रैपिडएक्स स्टेशन पर पहुंचकर सुरक्षा का जायजा लिया।सुरक्षा संबंधित जरुरी दिशा निर्देश दिए।

रैपिडएक्स के उद्घाटन को लेकर प्रधानमंत्री मोदी के रूट अभी आधिकारिक रूप घोषित नहीं किया गया है, लेकिन नगर निगम ने हिंडन एयरफोर्स स्टेशन से वसुंधरा सेक्टर आठ तक सड़कों का सुंदरीकरण करा दिया है। नगर आयुक्त इस रूट का लगातार निरीक्षण कर अधिकारियों को निर्देशित कर रहे हैं। माना जा रहा है कि यह रूट प्रधानमंत्री का तय हो सकता है।

इस रूट से गोवंशी को हटाने का काम भी चल रहा है। हिंडन एयर फोर्स स्टेशन से सेक्टर आठ तक गोवंशी को हटा दिया गया है। सभी गोवंशी को नंदी पार्क गौशाला में संरक्षित किया गया है। इसके अलावा वसुंधरा सेक्टर आठ में जनसभा स्थल के आसपास रहने वाले लोगों के घर रिश्तेदार, मित्र, परिचित नहीं आ सकेंगे।

सोमवार को पुलिस ने सभी को नोटिस जारी कर वीवीआईपी की सुरक्षा का हवाला देते हुए परिवार के सभी सदस्यों का सत्यापन कराने को कहा है। क्षेत्र के होटलों को भी सख्त हिदायत दी गई है। पुलिस ने वसुंधरा स्थित जनसभा स्थल के आसपास मकानों व सोसायटियों में रहने वाले लोगों को नोटिस दिए। जिसमें लिखा गया है कि वीवीआईपी कार्यक्रम प्रस्तावित है। सुरक्षा की दृष्टि से कार्यक्रम स्थल के आसपास रहने वाले लोगों का सत्यापन होना है। अपने परिवार के सभी सदस्यों का नाम और पते सत्यापित करेंगे। इसके लिए पहचान पत्र दें। कार्यक्रम समाप्त होने तक यहां रहने वाले लोगों के घर पर सत्यापन होने के बाद कोई रिश्तेदार, परिचित, दोस्त आदि नहीं आ सकेंगे। यदि आपात स्थिति में कोई आता है तो उसकी सूचना, पहचान पत्र, आने का कारण, रुकने के दिन सभी का विवरण थाना प्रभारी निरीक्षक को उपलब्ध कराना होगा। ऐसा नहीं करने की स्थिति में कार्रवाई की जा सकती है।

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के दौरान रूट पर पांच हजार सुरक्षाकर्मी तैनात रहेंगे। प्रधानमंत्री के आसपास पहला घेरा एसपीजी का होता है। इसके बाद एनएसजी और फिर पुलिस व पीएसी के जवानों का घेरा होगा। बाहर से 50 एसीपी व सीओ गाजियाबाद भेजे जाएंगे। इसके अलावा 10 खोजी श्वान दस्ता, एंटी माइन्स, एंटी सबोटाज, जैमर के साथ एटीएस, एसटीएफ और आईबी के अधिकारी भी डटे रहेंगे।

जनसभा स्थल जर्मन हैंगर से कवर होगा ताकि अनधिकृत प्रवेश न हो। इस स्थल को सीसीटीवी कैमरों से कवर कर कंट्रोल रूम बनेगा। कार्यक्रम के समय एनएसजी की एंटी ड्रोन यूनिट यह सुनिश्चित करेगी कि इसके ऊपर व आसपास के क्षेत्र में कोई ड्रोन न उड़ पाए। रैपिडएक्स के 17 किमी रूट पर सड़क, रूफटॉप ड्यूटी के साथ रास्ते में पड़ने वाली हरनंदी नदी में भी जवान नाव के साथ गश्त के लिए लगाए जाएंगे। इस पूरे रूट पर ड्रोन कैमरों से नजर रखी जाएगी।

RapidX स्टेशन से सिर्फ 500 मीटर की दूरी पर फ्लैट खरीदने का सुनहरा मौका, GDA ने लॉन्च की स्कीम

मधुबन-बापूधाम कोयल एंक्लेव इंद्रप्रस्थ योजना चंद्रशिला आवास योजना व संजय पुरी मोदीनगर में अनिस्तारित फ्लैटों को बेचने के लिए जीडीए ने नई कवायद शुरू कर दी है। रैपिडएक्स समेत अन्य विकास योजनाओं जरिए जीडीए ने खरीदारों को लुभाने की कवायद की है। इसी कारण इस बार योजना के प्रचार-प्रसार में आकर्षक बिंदुओं पर विशेष फोकस करते हुए उक्त योजना में फ्लैट खरीदने के फायदे बताए गए हैं।

गाजियाबाद। मधुबन-बापूधाम, कोयल एंक्लेव, इंद्रप्रस्थ योजना, चंद्रशिला आवास योजना व संजय पुरी मोदीनगर में अनिस्तारित फ्लैटों को बेचने के लिए जीडीए ने नई कवायद शुरू कर दी है।

रैपिडएक्स समेत अन्य विकास योजनाओं जरिए जीडीए ने खरीदारों को लुभाने की कवायद की है। इसी कारण इस बार योजना के प्रचार-प्रसार में आकर्षक बिंदुओं पर विशेष फोकस करते हुए उक्त योजना में फ्लैट खरीदने के फायदे बताए गए हैं।

स्टेशन से 500 मीटर की दूरी पर स्थित होंगे फ्लैट्स

जीडीए सचिव राजेश कुमार सिंह ने बताया कि मधुबन-बापूधाम का पॉकेट बी.सी.ई.एफ रीजनल रैपिडएक्स ट्रेन के दुहाई स्टेशन से मात्र 500 मीटर की दूरी पर है और पेरिफेरल हाइवे से 15 मिनट की दूरी पर है व यहां जीडीए कार्यालय बनना प्रस्तावित है। ऐसे में यहां फ्लैट खरीदना फायदे का सौदा साबित होगा।

मधुबन-बापूधाम योजना में जीडीए पहले आओ-पहले पाओ की तर्ज पर 700 भवनों को बेच रहा है। बेहतरीन लोकेशन पर फ्लैट खरीदने का इससे अच्छा मौके कभी नहीं मिलेगा। कोयल एंक्लेव में 479, इंद्रप्रस्थ योजना में 396, संजय पुरी मोदीनगर में 44 ईडब्ल्यूएस फ्लैट व चंद्रशिला आवास योजना में 36 फ्लैट खरीदने का लोगों के पास अच्छा मौका है। कोयल एंक्लेव व इंद्रप्रस्थ योजना के फ्लैट दिल्ली के नजदीक है व साहिबाबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से दो किलोमीटर की दूरी पर है। वहीं, संजय पुरी के फ्लैट आरआरटीएस के मोदीनगर उत्तरी स्टेशन से 15 मिनट की दूरी पर हैं और चंद्रशिला योजना पुराना बस अड्डा, नया गाजियाबाद मेट्रो स्टेशन, डीएम ऑफिस व पुलिस कमिश्नर ऑफिस के नजदीक हैं।

चार अवैध कालोनियों पर चला बुलडोजर, रोड नेटवर्क को भी ध्वस्त किया गया

टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग के जिला नगर योजनाकार एनफोर्समेंट टू की तरफ से सोमवार को फरुखनगर के अंतर्गत आने वाले गांव सैदपुर मोहम्मदपुर में कट रही अवैध कालोनियों में तोड़फोड़ अभियान चलाया गया। इन कालोनियों में एक निर्माणाधीन मकान पांच चारदीवारी 22 डीपीसी को जमींदोज किया गया। कालोनियों के रोड नेटवर्क को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया गया।

नया गुरुग्राम। टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग के जिला नगर योजनाकार एनफोर्समेंट टू की तरफ से सोमवार को फरुखनगर के अंतर्गत आने वाले गांव सैदपुर मोहम्मदपुर में कट रही अवैध कालोनियों में तोड़फोड़ अभियान चलाया गया। यहां करीब 24 एकड़ में अवैध रूप से चार कालोनियां काटी जा रही थी। कालोनियां अभी शुरूआती स्तर पर ही थी।

रोड नेटवर्क भी पूरी तरह से ध्वस्त

डीटीपीई टू सुमित मालिक के नेतृत्व में चले तोड़फोड़ अभियान में इन कालोनियों में एक निर्माणाधीन मकान, पांच चारदीवारी, 22 डीपीसी को जमींदोज किया गया। कालोनियों के रोड नेटवर्क को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया गया।

डीटीपीई सुमित मालिक ने बताया कि अवैध कालोनियों को चिन्हित करने का काम लगातार किया जा रहा है। विभाग की तरफ से फरुखनगर, पटौदी इलाके में नियमित रूप से सर्वे कराया जा रहा हैं। सर्वे में कालोनियों के चिन्हित होते ही तोड़फोड़ अभियान चलाए जा रहे हैं।

जमीन मालिकों को दिए गए थे रिस्टोरेशन के आदेश

जिन चार कालोनियों में तोड़फोड़ अभियान चलाया गया, इनके जमीन मालिकों को कारण बताओ नोटिस और रिस्टोरेशन के आदेश भी दिए गए थे, लेकिन जब जमीन रिस्टोर नहीं की तो सोमवार को तोड़फोड़ कारवाई की गई। हरियाणा अर्बन डेवलपमेंट एक्ट 1975 के नियमो के तहत बिना विभाग की स्वीकृति के कालोनी काटना अवैध और नियमों के विरुद्ध है।

रुपये की लालच में सहकर्मी को किडनैप कर मार डाला, युवक की हत्या के मामले में तीन आरोपी

पालिमर प्राइवेट लिमिटेड में काम करने वाले एक व्यक्ति ने दो साथियों के साथ मिलकर सहकर्मी का अपहरण कर लिया। चार दिनों तक बंधक बनाकर उनके खाते से करीब चार लाख रुपये निकाल लिए। इसके बाद हत्या कर शव को मेवात के गांव मोहम्मदपुर अहीर में फेंक दिया। सिविल लाइंस थाना पुलिस ने इस मामले का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया।

गुरुग्राम। आईएमटी मानेसर स्थित रानी पालिमर प्राइवेट लिमिटेड में काम करने वाले एक व्यक्ति ने दो साथियों के साथ मिलकर सहकर्मी का अपहरण कर लिया। चार दिनों तक बंधक बनाकर उनके खाते से करीब चार लाख रुपये निकाल लिए।

तीन आरोपितों को पुलिस ने दबोचा

इसके बाद उसकी गला दबाकर हत्या कर शव को मेवात के गांव मोहम्मदपुर अहीर में फेंक दिया। सिविल लाइंस थाना पुलिस ने इस मामले का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। एसीपी क्राइम वरुण दहिया ने बताया कि एक व्यक्ति ने सिविल लाइंस थाने में 45 वर्षीय प्रवीण त्रिवेदी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

परिवार ने बताया था कि वह आईएमटी

मानेसर स्थित रानी पालिमर कंपनी में काम कर रहे थे और पांच अक्टूबर से उनकी बातचीत नहीं हो रही थी। प्रवीण यहां पटेल नगर में अकेले रहते थे। इनका परिवार उत्तर प्रदेश के उन्नाव में रहता है। थाना पुलिस ने केस दर्ज करते हुए जांच शुरू की। सिविल लाइंस थाना प्रभारी पूनम हुड्डा की टीम ने कार्रवाई करते हुए गुमशुदा व्यक्ति के बारे में विभिन्न माध्यमों से जानकारी एकत्रित की।

इस दौरान जांच में पता चला कि पांच से नौ अक्टूबर तक प्रवीण के बैंक खाते से प्रतिदिन अलग-अलग एटीएम से रुपये निकाले जा रहे थे। एटीएम के सीसीटीवी फुटेज की जांच करने पर प्रवीण की जगह कोई और पैसे निकालता दिखा। इस पर पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज किया।

टीम ने आरोपितों के बारे में जानकारी जुटाई और 14 अक्टूबर को हरिद्वार से एक आरोपित अक्षय को गिरफ्तार कर लिया। उससे पूछताछ में प्रदीप और विनय का नाम भी सामने आया। इन दोनों को रामपुरा फ्लाइओवर के पास से धर दबोचा गया। पुलिस पूछताछ में तीनों ने प्रवीण का अपहरण कर हत्या करने की बात स्वीकार की।

प्रदीप को लग गई थी प्रवीण के बैंक खाते की जानकारी

आरोपितों से पुलिस पूछताछ में पता चला कि प्रवीण त्रिवेदी व प्रदीप दोनों एक साथ कंपनी में काम करते थे। आरोपित प्रदीप को प्रवीण के बैंक खाते में लाखों रुपये होने की जानकारी हो गई थी। इसके बाद उसने अपने रिश्तेदार विनय और एक अन्य साथी अक्षय के साथ मिलकर प्रवीण का अपहरण कर हत्या की साजिश रची।

तीनों ने पांच अक्टूबर को पटेल नगर में घर के बाहर बुलाया। सभी लोग उन्हें वहां से मानेसर ले गए। यहां अक्षय के कमरे में बंधक बनाकर रखा गया। इसके खाते से रुपये निकलवाए और उन्हीं रुपये से एक पुरानी वैगनार कार खरीदी। नौ अक्टूबर की रात आरोपितों ने प्रवीण की गला दबाकर हत्या कर दी और शव को गांव मोहम्मदपुर अहीर में फेंक दिया।

12वीं मंजिल से ग्राउंड फ्लोर पर गिरी लिफ्ट, नहीं मिली मदद; 10 मिनट तक फंसे रहे मासूम और मां

सिद्धार्थ विहार स्थित प्रतीक ग्रेंड सोसायटी के पायोनिया टॉवर में शुक्रवार रात एक महिला अपने बेटे के साथ लिफ्ट में फंस गई। लिफ्ट 12वीं मंजिल से फ्रीफॉल होकर ग्राउंड फ्लोर पर गिरी और इसके बाद लॉक हो गई। ग्राउंड फ्लोर पर आने के बाद भी लिफ्ट नहीं खुली। मां बेटे करीब 10 मिनट लिफ्ट में फंसे रहे।

गाजियाबाद। सिद्धार्थ विहार स्थित प्रतीक ग्रेंड सोसायटी के पायोनिया टॉवर में शुक्रवार रात एक महिला अपने बेटे के साथ लिफ्ट में फंस गई। लिफ्ट 12वीं मंजिल से फ्रीफॉल होकर ग्राउंड फ्लोर पर गिरी और इसके बाद लॉक हो गई। शुक्रवार रात को करीब दस बजे आकाशदीप की पत्नी गुरप्रीत पांच वर्षीय बेटे के साथ ग्रांउड फ्लोर से अपने फ्लैट में जा रही थीं। 12वीं मंजिल पर पहुंचते ही लिफ्ट झटके साथ रुक गई और फ्री फॉल होकर ग्राउंड फ्लोर पर आकर रुकी। ग्राउंड फ्लोर पर आने के बाद भी लिफ्ट नहीं खुली। मां बेटे करीब 10 मिनट लिफ्ट में फंसे रहे। इसके बाद महिला ने अलार्म बजाने और कॉल करने का प्रयास किया, लेकिन जवाब नहीं मिला। करीब 10 मिनट बाद लिफ्ट खुली। इस संबंध में आकाशदीप ने सोसायटी के एडमिन कर्नल राजेश से शिकायत की। एडमिन कर्नल राजेश से संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन बात नहीं हो सकी।

भारत में रोजगार के अवसरों में हो रही तेज वृद्धि को देखकर दुनिया हैरान है

प्रह्लाद सबनानी

भारतीय सनातन संस्कृति का पालन करते हुए भारत आज आर्थिक प्रगति के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। आज भारतीय अर्थव्यवस्था पूरे विश्व की लगभग सभी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेज गति से प्रगति करने वाली अर्थव्यवस्था बन गई है।

भारतीय सनातन संस्कृति के बारे में विवेचन करते हुए, भारत में रचित वेद, पुराण एवं परम्पराओं के अनुसार, राजा का यह कर्तव्य माना गया है कि उसके राज्य में निवास कर रही प्रजा में प्रत्येक नागरिक को रोजगार उपलब्ध हो, राजा ऐसी व्यवस्था करे। जब तक भारतीय सनातन संस्कृति का भारत में पालन होता रहा, तब तक लगभग समस्त नागरिकों को रोजगार उपलब्ध होता रहा। प्राचीन भारत में विशेष रूप से गांवों में ही रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध रहते थे एवं शहरों की ओर पलायन भी बहुत कम होता था। बेरोजगारी की समस्या के बारे में तो भारत के प्राचीन शास्त्रों में वर्णन ही नहीं मिलता है। समस्त नागरिकों को रोजगार उपलब्ध रहता था एवं वे अपने परिवार के समस्त सदस्यों का भरण पोषण करने में सक्षम रहते थे एवं परिवार के समस्त सदस्यों के साथ प्रसन्नत्ता एवं उत्साह के साथ रहते थे। जबकि आज की परिस्थितियों के बीच, वैश्विक स्तर पर, बेरोजगारी की समस्या एक प्रमुख समस्या के रूप में उभर रही है।

भारतीय सनातन संस्कृति का पालन करते हुए भारत आज आर्थिक प्रगति के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। आज भारतीय अर्थव्यवस्था पूरे विश्व की लगभग सभी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेज गति से प्रगति करने वाली अर्थव्यवस्था बन गई है। वर्ष 2014 में भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व में 10वें स्थान पर थी जो आज 5वें स्थान पर पहुंच गई है एवं भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रगति को देखते हुए अब उम्मीद की जा रही है कि वर्ष 2027-28 के पूर्व भारत की अर्थव्यवस्था 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगी एवं यह अमेरिका एवं चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन जाएगी। भारत में केंद्र सरकार द्वारा लगातार यह प्रयास किया जा रहा है कि न केवल देश की अर्थव्यवस्था तेज गति से आगे बढ़े बल्कि भारत में युवाओं के लिए अधिक से अधिक रोजगार के नए अवसर निर्मित हों। इस दृष्टि से भारत में अब अच्छी खबर आई है। भारत में अगस्त 2023 माह में 46.21 करोड़ नागरिकों को रोजगार मिला हुआ था जबकि अगस्त 2022 में 43.02 करोड़ नागरिकों को ही रोजगार प्राप्त था, इस प्रकार एक वर्ष के दौरान 3.19 करोड़ नागरिकों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। केंद्र सरकार के राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय द्वारा वर्ष 2017 के बाद से प्रतिवर्ष देश में (जुलाई-जून वार्षिक अवधि के बीच) श्रम शक्ति सर्वेक्षण, यह जानने के लिए किया जाता है कि भारत के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी एवं रोजगार की कैसी स्थिति है। हाल ही में जुलाई 2022 से जून 2023 की अवधि के बीच यह सर्वेक्षण कार्य सम्पन्न हुआ है। इस सम्बंध में जारी किए गए प्रतिवेदन में भारत में रोजगार की स्थिति के बारे में कई अच्छे तथ्य उभरकर सामने आए हैं।

भारत में 15 वर्ष एवं इससे अधिक की आयु वाले नागरिकों के बीच श्रम शक्ति भागीदारी की दर (Labour Force Participation Rate) में लगातार अतुलनीय रूप से सुधार हो रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में श्रम शक्ति भागीदारी की दर वर्ष 2017-18 में 50.7 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 60.8 प्रतिशत हो गई है, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह वर्ष 2017-18 में 47.6 प्रतिशत से बढ़कर 50.4 प्रतिशत हो गई है। इसी प्रकार, पुरुषों में यह दर वर्ष 2017-18 में 75.8 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 78.5 प्रतिशत एवं महिलाओं में यह दर वर्ष 2017-18 में 23.3 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 37 प्रतिशत हो गई है।

इसी प्रकार, भारत में 15 वर्ष एवं अधिक की आयु के नागरिकों के बीच कर्मचारी जनसंख्या अनुपात (Worker Population Ratio) में भी

अतुलनीय सुधार दृष्टिगोचर है। भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में कर्मचारी जनसंख्या अनुपात वर्ष 2017-18 के 48.1 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 59.4 प्रतिशत हो गया है, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह अनुपात वर्ष 2017-18 के 43.9 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 47.7 प्रतिशत हो गया है। पुरुषों के बीच यह अनुपात वर्ष 2017-18 के 71.2 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 76 प्रतिशत हो गया है और महिलाओं में यह अनुपात वर्ष 2017-18 के 22 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 35.9 प्रतिशत हो गया है।

जब देश में श्रम शक्ति भागीदारी की दर एवं कर्मचारी जनसंख्या अनुपात में लगातार सुधार दिखाई दे रहा है तो स्वाभाविक रूप से भारत में बेरोजगारी की दर में भी कमी दृष्टिगोचर हो रही है। उक्त सर्वेक्षण के अनुसार भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी की दर वर्ष 2017-18 में 5.3 प्रतिशत थी जो वर्ष 2022-23 में घटकर 2.4 प्रतिशत रह गई है। वहीं शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी की दर वर्ष 2017-18 के 7.7 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2022-23 में 5.4 प्रतिशत पर आ गई है। पुरुषों के बीच बेरोजगारी की दर वर्ष 2017-18 के 6.1 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2022-23 में 3.3 प्रतिशत हो गई है तो वहीं महिलाओं के बीच बेरोजगारी की दर वर्ष 2017-18 के 5.6 प्रतिशत से वर्ष 2022-23 में घटकर 2.9 प्रतिशत हो गई है।

भारत में आज भी 60 प्रतिशत से अधिक आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है। अतः ग्रामीण क्षेत्रों में यदि रोजगार के नए अवसर अधिक मात्रा में निर्मित हो रहे हैं तो यह एक बहुत अच्छा सुधार है। इसी प्रकार, भारत में पुरुषों के बीच यदि बेरोजगारी की दर काफी कम हो रही है तो भारतीय महिलाओं को श्रम बाजार में उतरना ही होगा और ऐसा होता दिखाई भी दे रहा है, अतः यह भी एक उत्तम सुधार है। भारत में महिला शक्ति यदि श्रम बाजार में उतरती है तो भारत में मजदूरी की दरों को भी संतुलित रखा जा सकता है जिससे उत्पादों की लागत में तेज वृद्धि को रोका जा सकेगा और भारत में निर्मित उत्पाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लम्बे समत तक प्रतिस्पर्धी बने रह सकेंगे।

Tata Safari facelift से जुड़ी 5 बड़ी बातें, जानें कितना पावरफुल है इसका इंजन

नई टाटा सफारी फेसलिफ्ट चार अलग-अलग ट्रिम्स में उपलब्ध है जिसमें स्मार्ट प्योर एडवेंचर और एक्म्प्लिश्ड वेरिएंट शामिल है। मैनुअल वेरिएंट की कीमत 16.19 लाख रुपये से 25.49 लाख रुपये तक है जबकि ऑटोमैटिक वेरिएंट और डार्क एडिशन की कीमत 20.69 लाख रुपये है सभी कीमतें शुरुआती एक्स-शोरूम हैं। आइये जानते हैं अब कितनी एडवांस हो गई है ये कार।

नई दिल्ली। टाटा सफारी को आज इंडियन मार्केट में 15.49 लाख रुपये की शुरुआती कीमत पर लॉन्च किया है। ग्लोबल एनकैप ने इस गाड़ी को 5 स्टार सेफ्टी रेटिंग भी दी है।

वेरिएंट और कीमतें

नई टाटा सफारी फेसलिफ्ट चार अलग-अलग ट्रिम्स में उपलब्ध है, जिसमें स्मार्ट, प्योर, एडवेंचर और एक्म्प्लिश्ड वेरिएंट शामिल है। मैनुअल वेरिएंट की कीमत 16.19 लाख रुपये से 25.49 लाख रुपये तक है, जबकि ऑटोमैटिक वेरिएंट और डार्क एडिशन की कीमत 20.69 लाख रुपये है, सभी कीमतें शुरुआती एक्स-शोरूम हैं।

कलर ऑप्शन

कलर ऑप्शन की बात करें तो इस गाड़ी में कुल आपको 7 रंग ऑप्शन देखने को मिलेंगे, जिसमें कॉस्मिक गोल्ड, गैलेक्टिक सैफायर, लूनर स्लेट, ओबेरॉन ब्लैक, स्टेलर फ्रॉस्ट, स्टारडस्ट ऐश और सुपरनोवा कॉपर शामिल हैं।

2023 Tata Safari इंजन

2023 टाटा सफारी केवल एक डीजल इंजन विकल्प में उपलब्ध है। इसमें 2.0-लीटर क्रायोटेक इंजन है, जो 170PS और 350Nm की पीक टॉर्क जेनरेट करने में सक्षम है। ट्रांसमिशन विकल्पों में 6-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड टॉर्क कनवर्टर ऑटोमैटिक शामिल है। अनुमान लगाया गया था कि इसे नए 1.5L टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन के साथ पेश किया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

डिजाइन

टाटा सफारी फेसलिफ्ट को बाहर से पूरी तरह से बदल दिया गया है। अपडेटेड सफारी में नई चौड़ाई वाली एलईडी डीआरएल और निचले बम्पर पर मुख्य हेडलैंप यूनिट और 19 इंच के अलॉय व्हील मिलते हैं। पीछे की तरफ एलईडी लाइट बार भी है, जो टेल-लैंप को वेलकम और गुडबॉय के समय जलती है।

2023 Mercedes GLE SUV 2 नवंबर को होगी लॉन्च, जानिए किन बदलावों के साथ मारेगी एंट्री

भारतीय ऑटोमोटिव बाजार में अक्टूबर 2023 के महीने में काफी हलचल होने की उम्मीद है, क्योंकि अलग-अलग सेगमेंट में नई कारें लॉन्च होने का इंतजार कर रही हैं। त्योहारी सीजन के चलते कंपनियों ने तगड़ी तैयारी कर रखी है और इस महीने 7 नई कारें

2023 Mercedes GLE को विशेष तौर पर भारतीय खरीदारों के लिए तैयार किया जा रहा है। जीएलसी को हाल ही में अपडेट किया गया था और कंपनी का दावा है कि उसे इसके लिए मजबूत प्रतिक्रिया मिली है। कहा गया है कि ये उसी स्तर की मजबूत प्रतिक्रिया है जिसे जर्मन जीएलई के लिए भी मिलने को लेकर आश्वस्त हैं।

नई दिल्ली। Mercedes-Benz ने मंगलवार को घोषणा करते हुए कहा है कि वह 2 नवंबर को भारतीय बाजार में अपडेटेड जीएलई एसयूवी लॉन्च करेगी। कंपनी ने यह भी कहा कि वह उसी तारीख को एएमजी सी 43 लॉन्च करेगी, जो भारतीय लग्जरी कार सेगमेंट में आक्रामक उत्पाद पर अपना ध्यान केंद्रित करेगी। चालू कैलेंडर वर्ष में मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने कई टॉप-एंड वाहन (टीईवी) निकाले हैं, जबकि इसके एसयूवी लाइनअप में दोगुनी वृद्धि जारी है।

2023 Mercedes GLE में क्या नया?

2023 Mercedes GLE को विशेष तौर पर भारतीय खरीदारों के लिए तैयार किया जा रहा है। जीएलसी को हाल ही में अपडेट किया गया था और कंपनी का दावा है कि उसे इसके लिए मजबूत प्रतिक्रिया मिली है। कहा गया है कि ये उसी स्तर की मजबूत प्रतिक्रिया है, जिसे जर्मन जीएलई के लिए भी मिलने को लेकर आश्वस्त हैं। प्रोडक्शन पिरामिड में जीएलई जीएलसी के ऊपर और टॉप-लाइन जीएलएस के नीचे बैठती है। अपडेटेड GLE SUV को फरवरी में दुनिया के सामने प्रदर्शित किया गया था और ये मूल रूप से एक नया वर्जन है। नवीनतम संस्करण में बदलावों में सामने की तरफ एक नया बम्पर, एलईडी हेडलाइट में बदलाव, अपडेटेड टेल लाइट्स और अलॉय व्हील का एक नया सेट शामिल है।

जीएलई के इंटीरियर में एस-क्लास से लिया गया स्टीयरिंग व्हील मिलता है। इसके अलावा इसे नए कलर ऑप्शन और ट्रिम्स में भी पेश किया जा सकता है। इसमें MBUX सिस्टम को अपग्रेड किया गया है, जबकि एक वैकल्पिक ऑफ-रोड पैकेज उपलब्ध है।

वैश्विक बाजार में GLE को पेट्रोल, डीजल और हाइब्रिड इंजन विकल्पों के साथ पेश किया जाता है। 48V इंटीग्रेटेड स्टार्टर-जनरेटर (ISG) तेजी से एक आम फीचर बनता जा रहा है और भारत में आने वाली GLE को बेहतर माइलेज और कम टेलपाइप एमीशन के लिए ये मिलना तय है। हालांकि, जो इंडिया-स्पेक वर्जन में नहीं मिलेगा वो निश्चित रूप से GLE का प्लग-इन हाइब्रिड संस्करण है।

Kawasaki Ninja ZX-4R की शुरू हुई डिलीवरी, जानें इस बाइक में क्या है खास

इस स्पोर्ट्सबाइक को पावर देने के लिए 399 सीसी का लिक्विड-कूल्ड फोर-स्ट्रोक इन-लाइन इंजन का इस्तेमाल किया गया है। ये पावरट्रेन स्लिपर क्लच के साथ 6-स्पीड गियरबॉक्स से जुड़ा है। इसका इंजन 14500 आरपीएम पर 76 बीएचपी की अधिकतम पावर देने में सक्षम है और इसे 79 बीएचपी तक बढ़ाया जा सकता है। इंजन 13000 आरपीएम पर 39 एनएम का टॉर्क पैदा करता है।

नई दिल्ली। Kawasaki ने हाल ही में Ninja ZX-4R को लॉन्च किया था। कंपनी की भारतीय लाइनअप में ये स्पोर्ट्सबाइक निंजा 650 और निंजा 400 के बीच प्लेस की गई है। कावासाकी इस बाइक की डिलीवरी आज से शुरू कर दी है। आइये जानते हैं इस बाइक में क्या कुछ मिलता है खास?

वेरिएंट और कलर ऑप्शन

Kawasaki Ninja ZX-4R केवल एक ही वेरिएंट में उपलब्ध होगी और इसके साथ ऑफर पर केवल एक ही कलर मेटालिक स्पार्क ब्लैक दिया गया है। कावासाकी इंडिया के पोर्टफोलियो में अन्य मॉडलों की तरह, ये भी रेसिंग डीएनए लेकर आती है। निर्माता का दावा है कि निंजा ZX-4R एक हैंडलिंग कैरेक्टर प्रदान करती है, जो इसके बड़े सिब्लिंग Ninza ZX-10R और Ninjz ZX-6R के समान है।

कितना दमदार है इसका इंजन?

इस स्पोर्ट्सबाइक को पावर देने के लिए 399 सीसी का लिक्विड-कूल्ड, फोर-स्ट्रोक इन-लाइन इंजन का इस्तेमाल किया गया है। ये पावरट्रेन स्लिपर क्लच के साथ 6-स्पीड गियरबॉक्स से जुड़ा है। इसका इंजन 14,500 आरपीएम पर 76 बीएचपी की अधिकतम पावर देने में सक्षम है और इसे 79 बीएचपी तक बढ़ाया जा सकता है। इंजन 13,000 आरपीएम पर 39 एनएम का टॉर्क पैदा करता है। इसकी वजह से ये 400 सीसी सेगमेंट में सबसे शक्तिशाली मॉडल है।

कितनी है कीमत?

कावासाकी ने पिछले महीने भारत में निंजा ZX-4R लॉन्च किया था। नवीनतम इनलाइन 4-सिलेंडर सुपरस्पोर्ट मॉडल की कीमत 8.49 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है। कावासाकी ने अब बाइक के पहले बैच की डिलीवरी शुरू कर दी है।

राइडिंग मोड्स और फीचर्स

Kawasaki Ninja ZX-4R को चार राइडिंग मोड मिलते हैं, जिनमें स्पोर्ट, रोड, रेन और राइडर शामिल हैं। इसे ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन और नोटिफिकेशन अपडेट के साथ 4.3-इंच टीएफटी स्क्रीन भी दिया गया है। इसके अलावा मोटरसाइकिल में ऑल-एलईडी लाइटिंग और इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर के लिए एक डेडिकेटेड ट्रैक मोड भी है, जो इसे प्रदर्शन और स्टाइल चाहने वाले राइडर्स के लिए एक आकर्षक विकल्प बनाता है।

नरगिस ने हिरासत में जीता नोबेल

डा. अश्विनी महाजन

अब देखना है कि नरगिस मोहम्मदी को ईरान सरकार रिहा करती है या नहीं। सारी दुनिया उन्हें महिलाओं के बीच एक विराट हस्ती के रूप में देख रही है'

नॉर्वे की नोबेल पुरस्कार समिति ने इस साल उस ईरानी महिला नरगिस मोहम्मदी को शांति के लिए नोबेल पुरस्कार देने की घोषणा की है जो अपने देश में महिलाओं के हक के लिए निरंतर लड़ाई लड़ रही है। जब नरगिस मोहम्मदी को नोबेल पुरस्कार देने की घोषणा की गई तब वह खुले आसमान के नीचे नहीं, बल्कि जेल में 12 सालों से बंद हैं। ओस्लो में पुरस्कार की घोषणा करते हुए नोबेल समिति की अध्यक्ष बेरिट रीस एंडरसन ने कहा है कि यह पुरस्कार ईरान की विवादमुक्त नेता नरगिस मोहम्मदी को मान्यता देने के लिए दिया गया है। उन्होंने ईरान की सरकार से अपील की है कि वह नरगिस को जेल से रिहा कर दे, ताकि वे इस साल 10 दिसंबर को पुरस्कार समारोह में शामिल हो सकें। नरगिस दुनिया भर की संघर्षशील और अपने हक के लिए आंदोलनरत महिलाओं का आदर्श बन गई हैं। उन्हें नोबेल पुरस्कार मिलने से विभिन्न मुल्कों की उन महिलाओं को जरूर प्रेरणा मिलेगी जो घर-परिवार में या सत्ता द्वारा प्रताड़ित होती हुई चुपचाप यातनाएं सहती रहती हैं और प्रतिकार नहीं कर पातीं। नरगिस शुरू से अखबारों के लिए लिखती थीं। 1990 से ही नरगिस महिलाओं के लिए आवाज उठा रही हैं। वर्ष 2003 में उन्होंने तेहरान के 'डिफेंडर्स ऑफ हुमन राइट सेंटर' से काम शुरू किया। वे तेरह बार गिरफ्तार हुई। उन्हें 31 साल की जेल और 154 कोड़े मारने की सजा भी सुनाई जा चुकी है। आठ साल से वे अपने बच्चों तक से नहीं मिल पाई हैं। नरगिस को जेल में बंद मानवाधिकार कार्यकर्ताओं की मदद करने के आरोप में पहली बार 2011 में जेल हुई थी। नरगिस कहती हैं कि मुझे जितनी यातना मिलती है, मैं उतनी ही मजबूत होती जाती हूं।

अपने जेल जीवन का जिक्र करते हुए नरगिस कहती हैं कि मैं रोज खिडक़ी के सामने बैठकर हरियाली और आजाद ईरान का सपना देखती हूं। जितना ज्यादा वे मुझे प्रताड़ित करते हैं, मेरी प्रिय चीजों को मुझसे दूर करते हैं, मैं उतनी ही मजबूत होती हूं। यह जंग तब तक जारी रहेगी, जब तक हम लोकतंत्र और आजादी नहीं पा लेते। मुझे उससे कम कुछ भी मंजूर नहीं है। फिलहाल उन्हें ईरान की कुख्यात 'एबीएन जेल' में रखा गया है। बचपन से ही संघर्षशील रहीं नरगिस के पिता किसान थे। मां राजनीतिक पृष्ठभूमि से थीं। 1979 में इस्लामी क्रांति के बाद राजशाही खत्म हुई तो उनके एक्टिविस्ट चाचा और दो भाई गिरफ्तार किए गए। इनमें से एक भाई को फांसी दे दी गई। तब नरगिस 9 साल की थी। नरगिस के दिल और दिमाग पर उसका गहरा असर पड़ा। इसके बाद उन्होंने विरोध की राह चुनने का फैसला किया। कॉलेज में संगठन खड़ा कर दिया। शादी की तो एक साल अज्ञातवास में बिताना पड़ा। इन सब घटनाओं ने नरगिस को और मजबूत बना दिया। नरगिस का चार लोगों का परिवार कभी साथ नहीं रह पाया। बच्चों और पति को नरगिस के काम पर गर्व है। वे कहते हैं- एक पति और पिता के तौर पर बच्चों के साथ रहना बहुत मुश्किल है। मैं चाहता हूं कि नरगिस हमारे साथ रहें। उनके मिशन में हर कदम पर हम उनके साथ हैं। नरगिस को उनकी मां बचपन में कहा करती थीं कि बेटी कुछ भी कर लेना राजनीति से दूर रहना। ईरान जैसे देश में व्यवस्था से लडने की बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। लगता है मां की वह चेतावनी सही साबित हुई है। बच्चों के साथ विदेश में रह रहे नरगिस मोहम्मदी के पति ताबी रहमानी ने कहा है कि यह नोबेल पुरस्कार मानव अधिकारों के लिए नरगिस की लड़ाई को प्रोत्साहित करेगा, लेकिन इससे भी अहम बात यह है कि यह ईरान में चल रहे 'महिलाएं, जिंदगी और आजादी आंदोलन' के लिए पुरस्कार भी है। साथी कैदियों की तकलीफ को नरगिस ने 'व्हाइट टॉर्चर : इंटरव्यूज विद ईरानी वुमेन प्रिजनर्स' नामक किताब में विस्तार से लिखा है। उन्होंने जेल को भी आंदोलन का केंद्र बना दिया है।

उनके करीबी दोस्त बताते हैं कि फारसी शास्त्रीय संगीत में दक्ष नरगिस जेल के वार्ड में सभाएं करती हैं। गाने के साथ बर्तनों पर पारंपरिक धुन बजाती हैं और साथी कैदियों के साथ नृत्य भी करती हैं। उन्होंने जेल की दीवारों को लोकतंत्र और आजादी के नारों से रंग दिया है। नरगिस ने महिलाओं के अधिकारों, खासतौर पर मृत्युदंड उन्मूलन के लिए अभियान चलाया है। ईरान में उन्हें 'महिलाएं, जिंदगी और आजादी आंदोलन' की सबसे बुलंद आवाज माना जाता है। वे नोबेल शांति पुरस्कार जीतने वाली 19वीं महिला और दूसरी ईरानी महिला हैं। इसके पहले ईरान की ही मानवाधिकार कार्यकर्ता शिरीन एबादी को वर्ष 2003 में शांति का नोबेल पुरस्कार दिया गया था। नरगिस मोहम्मदी का जन्म 21 अप्रैल 1972 को जांजन, ईरान में हुआ था और वे कोरवेह, करज और ओशनावियेह में पली-बढ़ीं। उन्होंने 'काज्विन इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी' में दाखिला लिया, भौतिकी में डिग्री प्राप्त की और एक पेशेवर इंजीनियर बन गईं। अपनी पढ़ाई के दौरान उन्होंने छात्र-समाचारपत्र में महिलाओं के अधिकारों का समर्थन करने वाले लेख लिखे और राजनीतिक छात्र समूह 'ताशक्कोल दानेशजुयी रोशनगरान' (प्रबुद्ध छात्र समूह) की दो बैठकों में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। वे एक पर्वतारोहण समूह में भी सक्रिय थीं, लेकिन बाद में उनकी राजनीतिक गतिविधियों के कारण उन्हें पर्वतारोहण में शामिल होने से प्रतिबंधित कर दिया गया था। नरगिस ने कई सुधारवादी समाचार पत्रों के लिए एक पत्रकार के रूप में काम किया और 'सुधार, रणनीति और राजनीति' नामक राजनीतिक निबंधों की एक पुस्तक प्रकाशित की। वर्ष 2003 में वे नोबेल शांति पुरस्कार विजेता शिरीन एबादी की अध्यक्षता वाले डिफेंडर्स ऑफ ह्यूमन राइट्स सेंटर (डीएचआरसी) में शामिल हो गईं और बाद में संगठन की उपाध्यक्ष भी बनीं। वर्ष 1999 में उन्होंने साथी सुधार-समर्थक पत्रकार तघी रहमानी से शादी की, जिन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर लिया गया। रहमानी 14 साल की जेल काटने के बाद 2012 में फ्रांस चले गए, जबकि मोहम्मदी ने अपना मानवाधिकार कार्य ईरान में ही जारी रखा। नरगिस और रहमानी के जुड़वां बच्चे हैं। नरगिस मोहम्मदी को पहली बार 1998 में ईरानी सरकार की आलोचना के लिए गिरफ्तार कर साल भर जेल में रखा गया। अप्रैल 2010 में, उन्हें डिफेंडर्स ऑफ ह्यूमन राइट्स सेंटर की सदस्यता के अपराध में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी कोर्ट में बुलाया गया। कुछ समय के लिए उन्हें 50000 अमेरिकी डॉलर की जमानत पर रिहा कर दिया गया, लेकिन कई दिनों बाद उन्हें फिर से गिरफ्तार कर अबियन जेल में रख दिया गया। हिरासत में रहने के दौरान नरगिस का स्वास्थ्य गिर गया और उन्हें मिर्गी जैसी बीमारी हो गई, जिससे वह समय-समय पर मांसपेशियों पर नियंत्रण खोती रहीं। एक महीने के बाद उन्हें रिहा कर दिया गया और चिकित्सा उपचार लेने की अनुमति दी गई। जुलाई 2011 में नरगिस पर फिर से मुकदमा चलाया गया और उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा, डिफेंडर्स ऑफ ह्यूमन राइट्स सेंटर की सदस्यता और शासन के खिलाफ प्रचार करने का दोषी पाया गया। सितंबर में उन्हें 11 साल की कैद की सजा सुनाई गई। नरगिस ने कहा कि उन्हें फैसले के बारे में अपने वकीलों के माध्यम से ही पता चला था और उन्हें अदालत द्वारा जारी 23 पन्नों का एक अभूतपूर्व फैसला दिया गया था जिसमें उन्होंने बार-बार मेरी मानवाधिकार गतिविधियों की तुलना शासन को गिराने के प्रयासों से की थी। मार्च 2012 में अपीलीय अदालत ने सजा को बरकरार रखा, हालांकि इसे घटाकर छह साल कर दिया गया। 26 अप्रैल को उन्हें अपनी सजा शुरू करने के लिए गिरफ्तार कर लिया गया। इस सजा का ब्रिटिश सरकार ने यह कहते हुए विरोध किया कि यह ईरानी अधिकारियों द्वारा बहादुर मानवाधिकार रक्षकों को चुप कराने के प्रयासों का एक और दुखद उदाहरण है। अब देखना है कि नरगिस मोहम्मदी को ईरान सरकार रिहा करती है या नहीं। पुरस्कार के लिए उन्हें चुन लिया गया है। सारी दुनिया उन्हें महिलाओं के बीच एक ऐसी विराट हस्ती के रूप में देख रही है, जिसकी मिसाल वे खुद हैं।

संपादक की कलम से

अध्यापकों का मानसिक सर्वे

बिहार में एक और सर्वेक्षण किया जाएगा। यह राजनीतिक या जातीय से बिल्कुल अलग होगा और अध्यापकों की मानसिक सेहत और तनाव का अध्ययन करेगा। सबसे गरीब और पिछड़े राज्य में 4 लाख से अधिक अध्यापक सरकारी स्कूलों में पढ़ा रहे हैं। उनके अध्यापन की एक बानगी ही पर्याप्त है, जो उनकी विवशता भी है। कई अध्यापक, कई स्कूलों में ऐसे अध्यापन के दंश झेल रहे हैं कि चार अध्यापकों को, एक ही क्लास रूम में, दो ब्लैक बोर्ड पर, साथ-साथ पढ़ाना पड़ता है। कक्षा में आधे छात्र एक तरफ देखते हुए पढ़ते हैं, तो आधे छात्रों के चेहरे विपरीत दिशा में होते हैं। चार अध्यापक पढ़ा रहे हैं, तो जाहिर है कि उनके विषय भी भिन्न होंगे! एक ब्लैक बोर्ड पर अध्यापक भी अलग-अलग कुछ लिख कर छात्रों को पढ़ाने को विवश हैं। मानसिक तनाव अध्यापकों को ही नहीं, बल्कि छात्रों को भी होना चाहिए। उनके लिए कितना बड़ा असमंजस है कि उन्हें एक साथ गणित, विज्ञान, हिंदी, अंग्रेजी आदि विषय पढने होते हैं! क्या एक छोटा-सा बच्चा, एक साथ, कई विषयों को पढ़ और ग्रहण कर सकता है? इस तकनीकी मनोविज्ञान का भी सर्वे किया जाना चाहिए। हमने बिहार के अध्यापकों और सरकारी स्कूलों पर ऐसी कई रपटें देखी हैं। पूछने पर अध्यापकों का स्पष्टीकरण भी एक आश्चर्य है कि हमारे छात्र मेधावी हैं। एक साथ कई विषय पढने के अभ्यस्त हो गए हैं। यह दुनिया का कौनसा आश्चर्य है? बहरहाल इसी माह के अंत में सरकारी स्कूलों के अध्यापकों के मानसिक तनाव, मनःस्थिति, औसत मानसिक स्वास्थ्य पर आधारित सर्वे किया जाना है।

दलीलें दी जा रही हैं कि औसत अध्यापक गहरे मानसिक तनाव का शिकार है, लिहाजा वह समय पर अपना पाठ्यक्रम पूरा करने में असमर्थ है। सरकार को जो शिकायतें मिली हैं, उनमें स्कूल के साथ घर पर भी तनाव और कुंठा की बातें कही गई हैं। अंततः अध्यापकों के मानसिक सर्वे का निर्णय लिया गया है। राज्य की शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद को सर्वे का दायित्व सौंपा गया है। शिकायतें ऐसी भी हैं कि अध्यापकों में अनुपस्थित रहने का भाव भी गहराता जा रहा है, जिससे छात्र प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हो रहे हैं। दरअसल सरकारी स्कूल अध्यापकों पर अध्यापन का ही दायित्व नहीं है। उनके सामने गैर-शिक्षण कार्यों की चुनौतियां और निरंतर दबाव भी हैं। मसलन, उन्हें चुनावों के दौरान ड्यूटी करनी पड़ती है। बिहार में जो जातीय सर्वेक्षण कराया गया था, उसमें भी अध्यापकों को झोंका गया था। स्कूलों में 'दोपहर का भोजन' एक बहुस्तरीय और नियमित योजना है। बच्चों को भोजन परोसना अनिवार्य है। उसका प्रबंधन भी अध्यापकों को ही देखना पड़ता है। इतने स्तरों पर काम करके औसत अध्यापक अपने बुनियादी कत्र्तव्य को कैसे निभा सकता है?

उसके काम में ईमानदारी कितनी होगी? अध्यापकों पर गुरुत्तर दायित्व है कि वे अपने अनुभव और ज्ञान के जरिए देश की युवा और छोटी पीढ़ी को कैसे प्रशिक्षित करें और उनका मानसिक पोषण सुनिश्चित करें। शिक्षा के क्षेत्र में बिहार दुनिया के सामने बेमिसाल रहा है। उसकी अपनी प्राचीन विरासत और धरोहर है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ही बात करें, तो 2006 में उन्होंने 9वीं से 12वीं कक्षा तक की छात्राओं को साइकिल देने की योजना का आरंभ किया था, नतीजतन स्कूलों में कन्याओं का प्रवेश करीब 30 फीसदी बढ़ गया था। बच्चियां साइकिल से स्कूल जाती थीं। यदि एक ही कक्षा में चार अध्यापक साथ-साथ, अलग-अलग विषय, पढ़ा रहे हैं, तो भी नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री हैं। दरअसल यह व्यवस्था और सरकार की गंभीरता का प्रश्न है कि वह शिक्षा के प्रति कितनी गंभीर और प्राथमिक है? यह भी हकीकत है कि सरकारी स्कूलों में वे ही छात्र आते हैं, जो सामाजिक और आर्थिक तौर पर कमजोर और पिछड़े हैं। उनके लिए अनिवार्य है कि वे छात्र नियमित रूप से स्कूल में उपस्थित रहें और बेहतर शिक्षा ग्रहण करें।

राय

कचरा-कचरा नदी

अंततः अदालत को ही कहना पड़ा कि नदी-नालों में कूड़े-कचरे की डंपिंग पर पूर्ण रोक लगाएं। जनहित याचिकाओं पर सुनवाई करते माननीय हिमाचल हाई कोर्ट ने प्रदेश के कूड़ा कचरा प्रबंधन पर सख्त हिदायतें ही नहीं दीं, बल्कि स्थानीय निकायों के दायरे में अवैज्ञानिक डंपिंग पर कड़ा संज्ञान लिया है। यह फैसला मानव सभ्यता और जीवनशैली में आ रहे परिवर्तनों की तरफ इशारा करते हुए सरकार के दायित्व में स्थानीय निकायों के लिए जीवन की शर्तें पेश कर रहा है। बद्दी जैसे अति औद्योगिक क्षेत्र के ठोस कचरा निष्पादन संयंत्र का संचालन जिस तरह किया जा रहा है, उसे देखते हुए यह फैसला जनचेतना से भी जुड़ा है। हिमाचल में पिछले तीन दशकों में कचरा न केवल बढ़ा, बल्कि इसके साथ योजनाओं-परियोजनाओं का कचरा भी बढ़ा। लगातार शहरीकरण के सवाल पर हिमाचल की सरकारें अगंभीर रहीं और यही साहसिक कोशिश करती रहीं कि किसी तरह इस दिशा की वृद्धि दर को ढांप के रखा जाए। हैरानी यह कि न शहर उचित मानदंड से बसे और न ही गांव बचे। हिमाचल की आबादी ने शहरी तहजीब, मानसिकता, उपभोक्तावाद और आधुनिक जीवनशैली में जीना तो सीख लिया, लेकिन इस उथल पुथल ने पर्यावर्णीय खतरों को लगातार नजरअंदाज कर दिया।

शिमला के बाद 2005 में कहीं जाकर धर्मशाला दूसरा नगर निगम बना और बाद में जयराम सरकार ने तीन और शहरों के प्रबंधन को बड़े शहरों की व्याख्या दी, लेकिन ये फैसले केवल सियासी ही साबित हो रहे हैं। अगर नगर निगम क्षेत्रों में ही कूड़े कचरे के प्रबंधन को देखा जाए, तो मालूम हो जाएगा कि प्रदूषण व पर्यावरणीय खतरों की निशानियां आज भी यहां योजनाओं को कचरा कर रही हैं। प्रदेश के पास न ऐसे सर्वेक्षण हैं और न ही आंकड़े ताकि राज्य स्तरीय ढांचे में कचरा उन्मूलन हो सके। एक बार धूमल सरकार ने पॉलीथीन पर बैन लगाकर जीने की राह दिखाई थी, लेकिन यह आदर्श भी ढह गया। स्वच्छता अभियान के तहत प्रदेश के तमाम सांसदों ने डस्ट बिन तो गाड़ दिए, लेकिन इस मुहिम के शिलालेख न विकल्प बने और न ही इसके आगे कुछ हुआ। नतीजतन खड्डों व नदी-नालों के किनारे ही अब डंपिंग साइट बने हुए हैं जहां ठोस कचरे के साथ-साथ भवन निर्माण के दौरान खुदाई से पैदा हो रही सामग्री व मक फेंका जा रहा है। प्रदेश में अस्सी फीसदी कचरा खुले में फेंका जा रहा है। शहरी क्षेत्रों में भले ही कुछ योजनाएं बन रही हैं, लेकिन ग्रामीण हिमाचल तो पूरी तरह पर्यावरण के खिलाफ कूड़े के ढेर के ऊपर बैठा है। कहने को हम हरित राज्य हैं और ग्रीन एनर्जी से चलना चाहते हैं, लेकिन ठोस कचरा प्रबंधन के लिए राज्य की प्राथमिकताएं दिखाई नहीं देतीं। यही वजह है कि सरकारें जब चाहें शहरों की ग्रांट इन एड में कटौती करती रही हैं। इस बार भी सुक्खू सरकार ने नगर निगमों की ग्रांट से आधी वापस ले ली है। जाहिर है इस का असर कूड़े के ढेर तक होगा, जहां विषैली मीथेन गैस अपने हमले से इनसानी बस्तियों को परेशान करेगी। पूरे देश में 62 मीलियन टन कचरे से अगर 43 मिलीयन टन ही एकत्रित हो पाता है, तो हिमाचल में तो इससे घातक परिस्थिति है। यह इसलिए कि हम अपने कूड़े की निजात के लिए नदी-नालों या कूहलों तक को माध्यम बना रहे हैं। आपदा के हालिया दौर ने बता दिया कि जल निकासी के मार्गों पर हमने कितना कूड़ा फंसा दिया है। माननीय अदालत के फैसले का मर्म समझते हुए प्रदेश को राज्य स्तरीय खाका बुनने से पहले टीसीपी विभाग को सक्रिय करते हुए राज्य स्तरीय योजना के पैमाने तय करने होंगे।

हिमालय में स्क्रब टाइफस के प्रकोप की चुनौती

प्रो. सुरेश शर्मा

डब्ल्यूएचओ के अनुसार स्क्रब टाइफस सबसे कम रिपोर्ट की जाने वाली ज्वर संबंधी बीमारियों में एक है'

देवभूमि हिमाचल प्रदेश, भारत के उत्तरी हिमालय क्षेत्र में स्थित एक राज्य है जिसे हम सब अपने अद्वितीय प्राकृतिक सौंदर्य और वनस्पतिक संपदा के लिए जानते हैं। यहां की खूबसूरत पहाडियां, झीलें और वन्यजीवों के आवास का सौंदर्य दुनियाभर के लोगों को आकर्षित करता है। हालांकि इसी सुंदरता के बीच एक बड़ी समस्या बढ़ रही है जिसका नाम है स्क्रब टाइफस। स्क्रब टाइफस एक जीवाणु जनित बीमारी है जो माइट्स जैसे छोटे कीटों के काटने से होती है। यह बीमारी अक्सर बारिश के मौसम में ज्यादातर होती है और हिमालय क्षेत्र में इसका असर बढ़ रहा है। संक्रमण का संचरण चिगर्स (माइट्स का लार्वा) के काटने से होता है। चिगर के काटने के बाद काला एस्कर बन जाता है (सूखे और मृत ऊतक का संग्रह), जिसका मूल्यांकन चिकित्सक द्वारा किया जा सकता है। यह जीवाणु संक्रमित माइट्स के संपर्क में आने पर हमारे रक्त द्वारा शरीर में प्रवेश करता है और वहां अपनी विकास प्रक्रिया को आगे बढ़ाता है। माइट्स बहुत छोटे-छोटे कीड़े होते हैं जो ज्यादातर घास, झाडियों, चूहों, खरगोशों और गिलहरियों जैसे जानवरों के शरीर पर होते हैं। इसके सामान्य लक्षणों में थकान, बुखार, मांसपेशियों में सूजन, त्वचा पर लाल दाने, सिरदर्द और श्वास की समस्याएं शामिल हैं, लेकिन यह गंभीर हो सकता है और जीवन को खतरे में डाल सकता है।

इसके अलावा मानसिक परिवर्तन, भ्रम से लेकर कोमा तक या लिम्फ नोड्स का बढना भी इसके लक्षण हो सकते हैं। इसके लक्षण डेंगू, मलेरिया आदि बीमारियों के लक्षणों से काफी मिलते-जुलते हैं। चिग्गर्स के काटने के लगभग चौथे दिन बुखार आता है और एस्केर एक सप्ताह के बाद दिखाई देता है। यह बीमारी 200 वर्ष से भी पहले से मनुष्यों को संक्रमित कर रही है जिसका उपचार न किए जाने पर अंततः दर्दनाक मौत हो जाती है। स्क्रब टाइफस एक प्राचीन संक्रामक रोग है जिसका प्रभाव लगातार बढ़ता जा रहा है और वेक्टर माइट्स द्वारा बीमारी की घटनाओं का उल्लेख प्राचीन चीनी साहित्य में 313 ईस्वी में किया गया है। इस बीमारी का वर्णन सबसे पहले 1810 में हाशिमोतो द्वारा और बाद में 1879 में बेल्ज और कावाकामी द्वारा जापानी 'बाढ़ बुखार' के रूप में किया गया था। भारत में पहला मामला 1934 में हिमाचल प्रदेश में सामने आया था। यह द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान म्यांमार-भारत सीमा पर और 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान सैन्य कर्मियों में बुखार का प्रमुख कारण था। स्क्रब टाइफस भारत और एशियाई देशों में सबसे आम उभरते संक्रमणों में से एक है। पिछले दशक से स्क्रब टाइफस फैलने की घटनाओं में वृद्धि हुई है जो इसे महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता बनाती है। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में रहने वाले एक अरब से अधिक लोगों को संक्रमण होने का खतरा है और यह हर साल दस लाख लोगों को बीमार करता है, जो डेंगू से होने वाले संक्रमण से भी अधिक है। स्क्रब टाइफस एशिया में प्रमुख है, लेकिन अमेरिका, अफ्रीका, चिली और दुबई में भी इसके मामले सामने आए हैं जो इस बीमारी के व्यापक भौगोलिक वितरण का सुझाव देते हैं। एशिया के ग्रामीण क्षेत्रों में संक्रमण का भारी बोझ है जिसके कारण 20 फीसदी से अधिक लोग बुखार के कारण अस्पताल में भर्ती होते हैं और लगभग 10 फीसदी मृत्यु दर होती है। यह

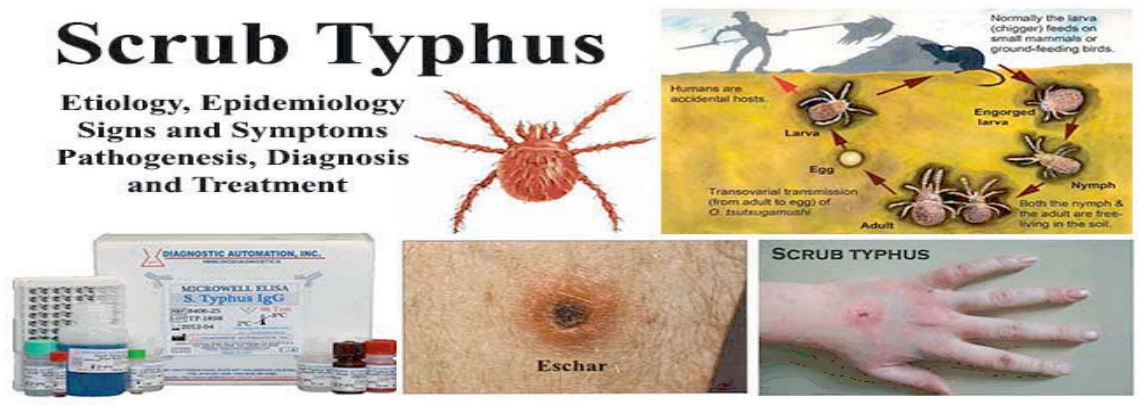

बीमारी सबसे अधिक भारत में ग्रामीण आबादी को प्रभावित करती है, विशेषकर बाहरी श्रमिकों या किसानों को, लेकिन शहरी क्षेत्रों से भी कुछ मामले सामने आए हैं। स्क्रब टाइफस के लिए व्यवसाय और सामाजिक-आर्थिक स्थिति सबसे महत्वपूर्ण जोखिम कारक है। इस रोग का चरम अगस्त से अक्टूबर तक होता है।

भारत में स्क्रब टाइफस के अधिकांश मरीज अशिक्षित हैं और ग्रामीण इलाकों में रहते हैं। हिमाचल प्रदेश में स्क्रब टाइफस के मामले में वृद्धि दर्ज की गई है, खासकर वर्ष 2021 और 2023 में। इसके चलते हिमालय क्षेत्र के लोग इसके बढ़ते हुए खतरे के साथ जूझ रहे हैं। यह समस्या विभिन्न भूगर्भित क्षेत्रों में देखी जा रही है, और इसका प्रमुख कारण माइट्स की बढ़ती संख्या है जो कि बढ़ते हुए खतरे को दर्शाता है। हिमाचल प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में स्क्रब टाइफस के मामले गंभीर हो रहे हैं, और यह समस्या लोगों के लिए बड़ी चुनौती है। हिमाचल प्रदेश में बरसात के मौसम के दौरान निचले स्तर के क्षेत्रों में औसत तापमान 20 से 35 डिग्री सेल्सियस तक होता है जो माइट्स के प्रसार के लिए उपयुक्त है। हिमाचल प्रदेश में स्क्रब टाइफस के प्रसार के पीछे कई कारण हैं, और इनमें से एक महत्वपूर्ण कारण है वनस्पति समृद्धि क्षेत्रों का होना। यहां की आकर्षक प्राकृतिक सौंदर्य और जंगली वनस्पति के कारण, इसके जीवाणुओं के प्राकृतिक आवास स्थलों की विशेष बढ़ोतरी होती है। खासकर हिमाचल प्रदेश के गांवों में, जहां वनस्पतियों का बहुत सा संग्रहण होता है, और ज्यादातर लोग किसान होते हैं, स्क्रब टाइफस के मामले प्रायः देखे जाते हैं। दूसरा कारण है ज्यादा किसानों की उपस्थिति। हिमाचल प्रदेश में कृषि एक मुख्य आजीवन उद्योग है, और अधिक संख्या में किसान यहां कृषि के लिए काम करते हैं। वे खेतों में काम करते समय अक्सर जंगली वनस्पतियों और पौधों के संपर्क में आते हैं जिससे वे इसके जीवाणुओं के संक्रमण के बढ़ते खतरे के साथ होते हैं।

कुछ मामलों में स्क्रब टाइफस होने का रिस्क सबसे ज्यादा रहता है। जैसे कि सीलन भरी झाडियों में खेलना या उसके आसपास रहना, खेतों में घूमना, कैम्पिंग करना, जंगल में जाकर शिकार करना तथा वन विभाग में काम करना। इस बीमारी ने खासकर बच्चों और किसानों को प्रभावित किया है क्योंकि बच्चे बगीचों में खेलते हैं और किसान खेतों में काम करते हैं, जिसके कारण उनका स्वास्थ्य हमेशा खतरे में पड़ सकता है। जलवायु परिवर्तन के कारण हिमाचल प्रदेश में मौसम में परिवर्तन हो रहा है और इसके परिणामस्वरूप मौसम की अनियमितता और अधिक बर्फबारी दिखाई दे रही है, जिससे माइट्स के प्रजनन की शर्तें बदल रही हैं। हिमाचल प्रदेश में स्क्रब टाइफस रोग का शीघ्र निदान भी एक समस्या है क्योंकि इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल शिमला ही एकमात्र स्क्रब टाइफस परीक्षण केंद्र है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार स्क्रब टाइफस सबसे कम रिपोर्ट की जाने वाली ज्वर संबंधी बीमारियों में से एक है जिसके लिए अस्पताल में भर्ती होने की बहुत आवश्यकता होती है। यह प्रलेखित किया गया था कि स्क्रब टाइफस उल्लेखनीय रूप से उपेक्षित बीमारी है, लेकिन इसका प्रभाव लगातार व्यापक होता जा रहा है।

ग़ज़ा और सियार

अपने देश में पिछले पाँच महीनों से गृह युद्ध की आग में झुलसते राज्य मणिपुर जाने का न उन्हें कभी खयाल आया, न ही उनके मालिक ने उन्हें कभी इसका इशारा दिया। इसलिए न वे मणिपुर गए और न वहाँ जाकर नाचे। लेकिन ऐसा नहीं कि वे नाचना भूल गए हैं। वे नाचते हैं और हर रोज़ नाचते हैं। चौबीस गुणा सात नाचते हैं। नफरत की दुमरी और गीतों पर। लेकिन केवल अपने मालिक के हुकुम पर। अपने मालिक के आदेश पर उन्होंने दशक भर पहले नैतिकता के सारे वस्त्र उतार फैंकने के बाद बेशर्मी के गहने पहन लिए थे। तब से लेकर आज तक अपने मालिक की ताली या सीटी बजते ही सारे हर रोज़ नाचने लगते हैं और पूरे जोश-ओ-खरोश में नाचते हुए अपने घुँघरू भी तोड़ डालते हैं। विश्व गुरू के झूठ का गुणगान करते हुए अब उन्हें मीडिया की बजाए मोदिया सुनने और कहने में ज़्यादा रस और आनन्द आता है। टीवी चैनलों पर दिखने वाले ये नचनिए अब इस बात की खुले तौर पर मुनादी करने से नहीं झिझकते कि वे सरकार के घोषित भाँड हैं। अपना ख़र्चा घटाने के लिए अगर केन्द्र और राज्य सरकारें चाहें तो अपने-अपने सूचना प्रसारण मंत्रालय और विभाग बंद कर सकते हैं। धर्म और राष्ट्रवाद के फ्यूज़न पर नाचने वाले ये नचनिए और अंधभक्त आका का इशारा मिलते ही दिमाग़ को ताखे पर रख कर सियारों की तरह हुआ-हू करने लगते हैं। अगर आका का मुँह उत्तर की ओर हो तो अँधेरों में भटकने वाले ये सियार उत्तर की ओर हुआ-हू करते हैं और दक्षिण की ओर हो तो दक्षिण की ओर। इज़रायल के पक्ष में जुमलोदी का पहला ट्वीट आते ही नचनिओं के भेष में रंगे सियार इज़रायल की ओर कूच कर गए। लेकिन गज़ा पट्टी में निर्दोषों पर की जा रही हवाई बमबारी या ज़मीनी हमले की कवरेज करने की बजाए इज़रायल में कवरेज का अभिनय करते हुए नाच रहे हैं। यही हाल अंधभक्त सियारों का है।

बनारस में काला कोट पहनने वाले सियार सडक़ों पर बिना यह सोचे इज़रायल के पक्ष में प्रदर्शन करते रहे कि उनका देश भी ऐसी परिस्थितियों से दो-चार है। कई धार्मिक सियार इज़रायल की जीत के लिए हवन कर रहे हैं। लेकिन इन सियारों ने मणिपुर में शाँति बहाली के लिए न कोई यज्ञ किया और न हवन। सत्ताई गलियारों के सियारों ने भी अपने आका की दिशा देखकर इज़रायल के पक्ष में सोशल मीडिया पर नाचना शुरू कर दिया। लेकिन यह क्या? आका ने एक बार पुनः अपना सुर बदला है। अब वह फलस्तीन के साथ खड़ा दिखाई दे रहा है। सियारों ने बिना कुछ सोचे अपने मालिक के सुर में सुर मिलाना शुरू कर दिया है। लेकिन तब तक डरने की कोई बात नहीं जब तक सियारों का पेट भरा है। टके सेर भाजी है और टके सेर खाजा। समझ में नहीं आता कि अस्सी करोड़ से अधिक लोगों को मुफ़्त राशन बाँटने का दावा करने वाला विश्व गुरू वैश्विक भूख सूचकांक में पिछले एक दशक में दो गुलाटियाँ मारने के बाद भुक्खड़ देशों के पायदान में सबसे नीचे कैसे पहुँच गया। पर धर्म और राष्ट्रवाद की जलेबी की चाशनी में डूब कर मरने को आमादा ये चींटियाँ कभी नहीं सोचतीं कि हलवाई कभी ख़ुद चाशनी में नहीं डूबता। अगली बार जलेबियाँ छानने से पहले हलवाई चाशनी में ख़ुदकुशी कर चुकी चींटियों को निकाल कर बाहर फैंक देता है। लेकिन ख़ुदकुशी पर आमादा इन चींटियों को भला कौन रोक सकता है। अँधों के हाथ धर्म और राष्ट्रवाद की बटेर लगी है। धर्म के साथ राष्ट्रवाद का तडक़ा लगाते सियारों को इस बात का ज़रा भी खयाल होता तो शायद शाँति के संदेश के साथ निर्दोष फलस्तीनियों के साथ खड़ा देश वास्तव में विश्व गुरू बनने की ओर क़दम बढ़ा चुका होता। लेकिन इन्तज़ार, थोड़ा और इन्तज़ार। धर्म और राष्ट्रवाद की कड़ाही के बाद विधानसभाओं के चुनावों के लिए जाति जनगणना की कड़ाही चढ़ चुकी है। पूरी उम्मीद है कि धर्म और राष्ट्रवाद से ऊब चुकी चींटियाँ अब जाति जनगणना की चाशनी में डूबने के लिए क़दमताल शुरू कर देंगी। चुनाव तो आते-जाते रहेंगे। चींटियाँ अमर रहें।

सस्ता हो गया कच्चा तेल, जानिए आपके शहर में क्या है एक लीटर पेट्रोल और डीजल की कीमत

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कल कच्चे तेल की कीमतों में हुई गिरावट के बाद आज एक बार फिर से तेल कंपनियों ने देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों को अपडेट करते हुए स्थिर रखा है। कल ग्लोबल मार्केट में कच्चे की कीमतों में 0 .39 प्रतिशत की गिरावट हुई थी। तेल कंपनियों प्रतिदिन सुबह 6 बजे पेट्रोल और डीजल की कीमतों को रिवाइज करती है।

नई दिल्ली: तेल कंपनियों ने एक बार फिर से आज सुबह 6 बजे पेट्रोल और डीजल की कीमतों को रिवाइज किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल के भाव में कल गिरावट देखने को मिली है जिसके बाद आज ईंधन की कीमतों में रिवाइज किया गया है।

आपको बता दें कि बीते दिन यानी 16 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में 0.39 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। कच्चा तेल 0.39 प्रतिशत गिरकर 90.54 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया था।

देश की मौजूदा तेल कंपनियों ने आज एक बार फिर से पेट्रोल और डीजल की कीमतों को स्थिर रखा है। चलिए जानते हैं आपके शहर में क्या है पेट्रोल और डीजल की कीमत।

राजधानी समेत अन्य बड़े शहरों में क्या है तेल की कीमत?

गुड रिटर्न वेबसाइट के मुताबिक आज पेट्रोल और डीजल की कीमतें इस प्रकार हैं:

नई दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

चेन्नई में पेट्रोल 102.74 रुपये और डीजल 94.33 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

बेंगलुरु में पेट्रोल 101.94 रुपये और डीजल 87.89 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

देश के अन्य प्रमुख शहरों में क्या है तेल की कीमत?

नोएडा में पेट्रोल 96.76 रुपये और डीजल 89.93 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

गुरुग्राम में पेट्रोल 96.97 रुपये और डीजल 89.84 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

पटना में पेट्रोल 107.54 रुपये और डीजल 94.32 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

जयपुर में पेट्रोल 108.48 रुपये और डीजल 93.72 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

हैदराबाद में पेट्रोल 109.66 रुपये और डीजल 97.82 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

चंडीगढ़ में पेट्रोल 96.20 रुपये और डीजल 84.26 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

इस सीजन लगभग 35 लाख शादियों का अनुमान
4.25 लाख करोड़ के करीब कारोबार करेंगे व्यापारी

इस वर्ष 23 नवंबर देव उठान एकादशी से शादियों का सीजन शुरू होकर 15 दिसंबर तक चलेगा ।एक अनुमान के अनुसार किए इस अवधि के दौरान देश भर में लगभग 35 लाख शादियाँ संपन्न होंगी। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) द्वारा किए गए एक सर्वे के अनुसार अकेले दिल्ली में इस सीजन में 3 .5 लाख से अधिक शादियां होने की उम्मीद है।

नई दिल्ली। इस वर्ष 23 नवंबर, देव उठान एकादशी से शादियों का सीजन शुरू होकर 15 दिसंबर तक चलेगा ।एक अनुमान के अनुसार किए इस अवधि के दौरान देश भर में लगभग 35 लाख शादियाँ संपन्न होंगी, जिसमें शादी की खरीदारी और शादी से संबंधित अनेक प्रकार की सर्विस के जरिए सेवाएं लगभग 4.25 लाख करोड़ रुपये का बड़ा खर्च इस सीजन में होने की संभावना है ।

केवल दिल्ली में होंगी 3.5 लाख से अधिक शादियां

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) द्वारा किए गए एक सर्वे के अनुसार अकेले दिल्ली में इस सीजन में 3.5 लाख से अधिक शादियां होने की उम्मीद है, जिससे दिल्ली में लगभग 1 लाख करोड़ रुपये का कारोबार होने की संभावना है। पिछले साल इसी अवधि में करीब 32 लाख शादियां हुई और खर्च 3.75 लाख करोड़ रुपये आंका गया था।

कैट की आध्यात्मिक एवं वैदिक ज्ञान समिति के अध्यक्ष एवं प्रख्यात वैदिक विद्वान आचार्य दुर्गेश तारे ने बताया कि नक्षत्रों की गणना के अनुसार नवंबर में विवाह की तिथियां 23,24,27,28,29 हैं, जबकि दिसंबर माह में 3,4,7,8,9 और 15 तारीखें विवाह के लिए शुभ दिन हैं। उसके बाद, तारा एक महीने के लिए मध्य जनवरी तक डूब जाता है और फिर मध्य जनवरी से शुभ दिन शुरू हो जाएंगे।

देश भर के व्यापारी कर रहे तैयारी

अनुमान है कि कुल मिलाकर इस एक महीने में शादी के सीजन में बाजारों में शादी की खरीदारी से करीब 4.25 लाख करोड़ रुपये का प्रवाह होगा। शादी के सीजन का अगला चरण जनवरी के मध्य से शुरू होगा और जुलाई तक जारी रहेगा।

शादी के सीजन में कारोबार की अच्छी संभावनाओं को देखते हुए देशभर के व्यापारियों ने व्यापक तैयारियां की हैं।

शादी के सीजन से पहले घरों की मरम्मत और घरों की रंगाई-पुताई का कारोबार बड़ी मात्रा में होता है। इसके अलावा आभूषण, साड़ी, लहंगा-चून्नी, फर्नीचर और रेडीमेड कपड़ों आदि का कारोबार होता है। इसके अलावा सूखे मेवे, मिठाइयां, फल, पूजा सामग्री, किराना, खाद्यान्न, सजावट का सामान, घर की सजावट का सामान, विद्युत उपयोगिता और इलेक्ट्रॉनिक्स की मांग रहती है।

इनसाइड

घर खर्च के साथ आप भी कर सकती हैं अच्छी खासी बचत, फॉलो करें ये आसान टिप्स

आज के समय कमाने के साथ-साथ सेविंग करना बहुत जरूरी है। अगर हम सही समय पर पैसे सेव नहीं करते हैं तो हमें भविष्य में काफी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आज हम कामकाजी महिला के साथ घरेलू महिलाओं को भी बताएंगे कि वो किस तरह ज्यादा से ज्यादा पैसे सेव कर सकती है।

नई दिल्ली। हर महिला कोशिश करती है कि वो ज्यादा से ज्यादा पैसे सेव करें। कई महिला पैसे सेव करने की कोशिश तो करती है पर उनसे पैसे सेव नहीं हो पाते हैं। अगर आप भी पैसे सेव करना चाहते हैं तो आज हम आपको कुछ ऐसी बातों के बारे में बताते जिसकी मदद से आप ज्यादा से ज्यादा पैसे सेव कर पाएंगे। हमारे पास जब एक लक्ष्य होता है तो हम ज्यादा से ज्यादा पैसे सेव कर पाते हैं। ऐसे में आप भी एक फाइनेंशियल गोल बना सकते हैं। यह गोल आपके रिटायरमेंट के बाद की इनकम का हो सकता है या फिर कहीं घूमने को लेकर भी हो सकता है। इसे ऐसे समझिए कि आपको लद्दाख जाना है तो आप उसके लिए अभी से पैसे सेव कर सकते हैं। आपको हर महीने का एक बजट बनाना चाहिए। जब देश की अर्थव्यवस्था को चलाने के लिए हमें बजट की आवश्यकता पड़ती है। ठीक उसी तरह घर के खर्चों को पूरा करने और पैसे की बचत करने के लिए भी बजट की जरूरत पड़ती है।

सर्राफा बाजार में स्थिर रही सोने की कीमत, चांदी ने लगाया गोता, जानिए आपके शहर में क्या है 10 ग्राम गोल्ड का भाव

जहां सोना सर्राफा बाजार स्थिर रहा वहीं चांदी की कीमतों में 300 रुपये की गिरावट दर्ज की गई। विदेशी बाजारों में सोना थोड़ा बढ़कर 1915 डॉलर प्रति औंस और चांदी 22 .55 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। आज वायदा कारोबार में सोना गिरकर जबकी चांदी ने थोड़ी तेजी के साथ कारोबार किया। जानिए आपके शहर में क्या है 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत।

नई दिल्ली: अगर आप आज सोना खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो आपको यह जान लेना चाहिए कि आज आपके शहर में सोने की क्या कीमत है। सर्राफा बाजार में सोना जहां स्थिर रहा तो वहीं चांदी की कीमतों में 300 रुपये की गिरावट दर्ज की गई है।

क्या है सोने का भाव?

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के मुताबिक आज दिल्ली में सोना 60,150 रुपये प्रति 10 ग्राम पर स्थिर रहा। विदेशी बाजारों में सोना थोड़ा बढ़कर 1,915 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था।

वायदा कारोबार में सोना

आज वायदा कारोबार में सोने की कीमत 4 रुपये गिरकर 59,162 रुपये प्रति 10 ग्राम रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर, दिसंबर डिलीवरी वाले सोने के अनुबंध की कीमत 4 रुपये या 0.01 प्रतिशत की गिरावट के साथ 59,162 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा, जिसमें 13,691 लॉट का कारोबार हुआ।

क्या है आज चांदी की कीमत?

सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत में 300 गिरावट दर्ज हुई है। इस गिरावट के बाद चांदी की कीमत आज 73,700 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में चांदी थोड़ा बढ़कर 22.55 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी।

वायदा कारोबार में चांदी

वायदा कारोबार में आज चांदी की कीमत 8 रुपये बढ़कर 71,045 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में दिसंबर डिलीवरी के लिए चांदी अनुबंध 8 रुपये या 0.01 प्रतिशत बढ़कर 20,732 लॉट में 71,045 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया।

आपके शहर में क्या है 10 ग्राम 24 कैरेट गोल्ड की कीमत?

गुड रिटर्न के मुताबिक आज विभिन्न शहरों में गोल्ड की कीमत कुछ इस प्रकार हैं:

डॉलर के मुकाबले मजबूत होकर खुला रुपया, शुरुआती कारोबार में हुई इतने पैसे की बढ़त

शुरुआत में डॉलर के मुकाबले रुपया बढ़त पर कारोबार कर रहा है। रुपया 5 पैसे बढ़कर 83 .22 पर कारोबार कर रहा है। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज पर आज रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83 .24 पर खुला और 83 .22 के शुरुआती उच्च स्तर को छूआ। कल यानी सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 83 .27 पर बंद हुआ था।

नई दिल्ली: मंगलवार 17 अक्टूबर को डॉलर के मुकाबले रुपया शुरुआती कारोबार में बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है। रुपया 5 पैसे बढ़कर 83.22 पर पहुंच कर ट्रेड कर रहा है।

कितने पर खुला आज रुपया?

इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज पर रुपया आज डॉलर के मुकाबले 83.24 पर खुला और फिर 83.22 के शुरुआती उच्च स्तर को छू गया जो पिछले बंद के मुकाबले 5 पैसे की बढ़त है। कल यानी सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 83.27 पर बंद हुआ था।

समाचार एजेंसी पीटीआई को मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल के फॉरेक्स और बुलियन विश्लेषक गौरांग सोमैया ने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि रुपया 83.05 और 83.50 की सीमा में कारोबार करेगा। इस सप्ताह, घरेलू मोर्चे पर, कोई बड़ा आर्थिक डेटा जारी होने की उम्मीद नहीं है, लेकिन वैश्विक मोर्चे पर, अमेरिका से डॉलर फेड सदस्य के भाषण और अमेरिका के कुछ महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़ों पर प्रतिक्रिया दे सकता है।

मजबूत हुआ डॉलर इंडेक्स

डॉलर सूचकांक, जो छह करेंसी के मुकाबले डॉलर की ताकत का अनुमान लगाता है, 0.06 प्रतिशत बढ़कर 106.30 पर कारोबार कर रहा था।

क्रूड के वायदे में बढ़त

वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा 0.02 प्रतिशत बढ़कर 89.67 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। एक्सचेंज डेटा के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) ने कल यानी सोमवार को 593.66 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

हरे निशान पर बाजार

आज बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 325.65 अंक या 0.49 प्रतिशत बढ़कर 66,492.58 पर कारोबार कर रहा है। एनएसई निफ्टी 98.15 अंक या 0.5 प्रतिशत बढ़कर 19,829.90 पर ट्रेड कर रहा है।

यूएस और कोरिया ने भारत के लैपटॉप आयात पर प्रतिबंध के फैसले पर जताई चिंता, कहा- व्यापार पर पडेग़ा असर, पुनर्विचार का किया अनुरोध

विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की बैठक में संयुक्त राज्य अमेरिका चीन दक्षिण कोरिया और चीनी ताइपे ने लैपटॉप और कंप्यूटर के आयात पर प्रतिबंध लगाने के भारत के फैसले पर चिंता व्यक्त की। विश्व व्यापार संगठन की मार्केट एक्सेस कमेटी की बैठक में इस चिंता पर प्रकाश डाला गया। यूएन ने कहा कि भारत के इस फैसले से इन उत्पादों के व्यापार पर असर पड़ेगा।

हाल ही में वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा था कि भारत आयात पर लाइसेंसिंग आवश्यकता लागू नहीं करेगा बल्कि केवल उनके आने वाले शिपमेंट की निगरानी करेगा।

नई दिल्ली: विश्व व्यापार संगठन (World Trade Organisation (WTO)) की बैठक में अमेरिका, चीन, कोरिया और चीनी ताइपे ने लैपटॉप और कंप्यूटर पर आयात प्रतिबंध लगाने के भारत के फैसले पर चिंता जताई है। डब्ल्यूटीओ की बाजार पहुंच (Market Access) समिति की बैठक में इस चिंता को उजागर किया गया।

यूएस ने क्या कहा?

अमेरिका ने कहा है कि इस फैसले के लागू होने के बाद इन उत्पादों के व्यापार पर असर पड़ेगा, जिसमें भारत में अमेरिकी निर्यात भी शामिल है। अमेरिका ने यह भी कहा है कि यह फैसला निर्यातकों और डाउनस्ट्रीम यूजर्स के लिए अनिश्चितता पैदा कर रहा है।

भारत ने अगस्त में आयात पर लगाया था प्रतिबंध

आपको बता दें कि 3 अगस्त को, भारत ने घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और आयात में कटौती करने के उद्देश्य से लैपटॉप, पर्सनल कंप्यूटर (टैबलेट कंप्यूटर सहित), माइक्रो कंप्यूटर, बड़े या मेनफ्रेम कंप्यूटर और कुछ डेटा प्रोसेसिंग मशीनों जैसे कई आईटी हार्डवेयर उत्पादों पर चीन जैसे देश से आयात पर प्रतिबंध लगा दिया। यह फैसला 1 नवंबर से लागू होगा।

लाइसेंस लेना जरूरी नहीं

हाल ही में वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा था कि भारत आयात पर लाइसेंसिंग आवश्यकता लागू नहीं करेगा बल्कि केवल उनके आने वाले शिपमेंट की निगरानी करेगा।

कोरिया ने भारत से किया पुनर्विचार का अनुरोध

कोरिया ने इस बात पर जोर दिया कि भारत द्वारा लगाए गए प्रतिबंध से अनावश्यक व्यापार बाधाएं पैदा हो सकती हैं।

कोरिया ने भारत से प्रतिबंध के फैसले पर पुनर्विचार करने और इसके इस फैसले के लागू होने की समयसीमा सहित इस मुद्दे पर विस्तृत स्पष्टीकरण और जानकारी देने का अनुरोध किया है।

वित्त वर्ष 23 में 5 बिलियन डॉलर से उपर का हुआ था आयात

भारत ने पिछले वित्त वर्ष यानी 2022-23 में 5.33 बिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के लैपटॉप सहित पर्सनल कंप्यूटर का आयात किया है वहीं उससे एक साल पहले यानी वित्त वर्ष 2021-22 में 7.37 बिलियन अमेरिकी डॉलर का आयात किया गया है।

भाजपा मोर्चा ,प्रकोष्ठ पदाधिकारियो की अति महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

अनूप कुमार शर्मा

हरियाणा भाजपा पूर्व प्रदेश अध्यक्षएवं जिला चुनाव प्रभारी सुभाष बराला के मुख्य आतिथ्य , भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा की अध्यक्षता में भाजपा जिला कार्यालय पर भाजपा मोर्चा जिलाध्यक्ष महामंत्री जिला प्रकोष्ठ संयोजक सहसंयोजको की अति महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई

बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष मेवाड़ा ने सभी पदाधिकारियो का परिचय कराया एवं प्रत्येक विधान सभा में हुए सफल सम्मेलनों के बारे विस्तार से बताया तथा महिला सम्मेलन की सफलता के लिए विशेष रूप से उल्लेख किया . आने वाले चुनाव में जी जान से जुटने का आवाहन किया.

मुख्य अतिथि बराला ने अपने संबोधन में कहा की सातों विधानसभाओं में चुनाव की दृष्टि से समस्त मोर्चा जिलाध्यक्ष , प्रकोष्ठ जिला संयोजक अपने पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं के साथ पूरी तरह से योजना बनाएं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा चलाई जा रही जनहित योजनाओं को शहर गांव गली-गली घर -2 आम जनता तक पहुंचाये.

गांव शहर की चौपाल पर बैठके करें जनता को भाजपा द्वारा किए जा रहे जनहित के कार्यों के बारे में बताएं बराला ने कहा कि 'मन की बात' कार्यक्रम को बूथ तक सफलता के साथ आयोजित करे मोर्चा प्रकोष्ठ पदाधिकारियो की बैठकों में पुराने कार्यकर्ताओ को आमंत्रित करना चाहिए.युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष शिवांगी कानावत , अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष हमीद मोहम्मद शेख , भाजपा जिला उपाध्यक्ष अविनाश जीनगर , भाजपा जिला मंत्री गोपाल तेली मंचस्थ थे.

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी महावीर समदानी ने बताया कि बैठक में मोर्चा जिलाध्यक्ष कुलदीप शर्मा , मंजू पालीवाल , महेंद्र मीणा , तेजेन्द्र गुर्जर , राजेश सेन , पूरण डिडवानिया , प्रकोष्ठ जिला संयोजक हेमेंद्रसिंह राणावत , मनोज कुमार शर्मा दिनेश कोगटा , आलोक पलोड़ देवेंद्र गोयल , नरपत सिंह चुंडावत , पंकज मानसिंहका , भागचंद झांझावत , दीपक गुरु नानी , राम सिंह शक्तावत , भैरू सिंह चुंडावत , ओम प्रकाश काबरा , विजय हिंगोरानी , अमर सिंह राठौड़ , मोर्चा महामंत्री अर्पित समदानी , मीनाक्षी नाथ , हीरालाल बोहरा , सिकंदर पठान , इमरान काजी , प्रकोष्ठ सहसंयोजक डॉ. सुरेश भदादा , वैभव बिंदल , कैलाश अग्रवाल , दुर्गा लाल बारेठ , रामस्वरूप वैष्णव , शीला तंवर , लादू लाल गुर्जर , राम प्रसाद जाट उपस्थित थे. अंत में जिला मंत्री गोपाल तेली ने आभार व्यक्त किया

सेम सैक्स मैरिज को मान्यता देने से कोर्ट का इन्कार

परिवहन विशेष।एसडी सेठी। सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिक जोडों के विवाह को मान्यता देने से इन्कार कर दिया है ।कोर्ट ने कहा कि कमेटी विचार करे कि क्या अधिकार दिए जा सकते हैं। चीफ जस्टिस डीवाई चन्द्रचूड, जस्टिस संजय किशन कौल, जस्टिस रविंद्र भट्ट, जस्टिस हिमाचल कोहली, और जस्टिस पी एस नरसिम्हा की पांच जजों की बेंच ने फैंसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने 10 दिन लगातार सुनवाई करने के बाद इसी साल 11 मई को मामले पर फैंसला सुरक्षित रख लिया था। बहुमत की राय जस्टिस भट्ट, जस्टिस कोहली, और जस्टिस नरसिम्हा ने दी ।जबकि चीफ जस्टिस डीवाई चन्द्रचूड और जस्टिस कौल ने अल्पमत की राय दी। इसके बाद चीफ जस्टिस डीवाई चन्द्रचूड ने सरकार को निर्देश दिए कि समलैंगिक जोड़ के लिए हेल्पलाइन बनाए जाए। और केन्द्र-राज्य सरकारें समलैंगिक जोडों के साथ भेदभाव ना हो। ये सुनिश्चित करें। सीजेआई ने अपने फैंसले में कहा कि सेम सेक्स कपल भी बच्चा गोद ले सकते हैं। वहीं सरकार ने सेम सैक्स मैरिज का विरोध किया था। उल्लेखनीय है कि सेम सेक्स मैरिज को मान्यता देने की मांग करते हुए कुल 21 याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई। इन याचिकाओं में मांग की गई कि कोई स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत सेम सेक्स मैरिज को कानूनी मान्यता दी जाए। सरकार ने याचिकाओं का विरोध करते हुए कहा था कि ये मसला विधायिका के अधिकार क्षेत्र में आता है। और कोर्ट उसमें दखल नहीं देना चाहिए। सरकार का कहना है कि समलैंगिक शादियों को मान्यता मिल जाने के बाद तलाक, संतान गोद लेने और अलगाव की स्थिति में पत्नी और बच्चों के भरण पोषण की जिम्मेदारी से जुडे तमाम कानूनों को लागू करने में दिक्कतें आएगी। दूसरे समाज पर नकारात्मक प्रभाव पडेगा।

अमृतसर घनशाम थोरी ने अमृतसर जिले के डिप्टी कमिश्नर के रूप में कार्यभार संभाला , सेवा केंद्रों में लंबित मामलों को खत्म करना पहली प्राथमिकता होगी

अमृतसर, साहिल बेरी)-2010 बैच के आईएएस अधिकारी श्री घनशाम थोरी ने आज अमृतसर के 177वें डिप्टी कमिश्नर के रूप में पदभार ग्रहण किया। लिया इससे पहले वह निदेशक खाद्य आपूर्ति के पद पर तैनात थे. इससे पहले उनके अमृतसर पहुंचने पर पुलिस जवानों ने सलामी दी और उनका स्वागत किया. इसके बाद श्री थोरी ने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता सेवा केंद्रों की पेंडेंसी खत्म करना होगी। उन्होंने कहा कि 90 फीसदी लोगों का काम सेवा केंद्रों और फर्द केंद्रों से होता है और पेंडेंसी खत्म होने से लोगों को काफी राहत मिलेगी। उपायुक्त ने कहा कि सरकार लोगों के कल्याण के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं चला रही है, जिसे जमीनी स्तर पर लोगों तक पहुंचाया जायेगा. उन्होंने कहा कि सरकार ने आम लोगों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने के उद्देश्य से मोहल्ला क्लीनिक शुरू किए हैं और समय-समय पर इन मोहल्ला क्लीनिकों की जांच की जाएगी ताकि लोगों को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना

पड़े. उन्होंने कहा कि विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हुए अमृतसर में यूनिटी मॉल की स्थापना, वेडिंग डेस्टिनेशन आदि कार्य प्राथमिकता के आधार पर किए जाएंगे। पत्रकारों के सवाल के जवाब में श्री थोरी ने कहा कि अमृतसर शहर एक धार्मिक एवं ऐतिहासिक शहर है. उनकी प्राथमिकता यातायात व्यवस्था, साफ-सफाई, पार्किंग की समस्या आदि अन्य समस्याओं का समाधान करना होगा, ताकि यहां आने वाले तीर्थयात्रियों और शहरवासियों को राहत मिल सके. श्री थोरी ने कहा कि भले ही उपायुक्त के रूप में कई व्यस्तताएं हैं, लेकिन मेरा प्रयास रहेगा कि मैं रोजाना लोगों से मिलने का समय दूं। गौरतलब है कि श्री थोरी राजस्थान के श्री गंगा नगर से ताल्लुक रखते हैं। वह इससे पहले बठिंडा, बरनाला, संगरूर और जालंधर में डिप्टी कमिश्नर के तौर पर काम कर चुके हैं। श्री थोरी लुधियाना के नगर निगम कमिश्नर भी रह चुके हैं और उनकी पत्नी धर्मा जायंट कमिश्नर इनकम टैक्स के पद पर तैनात हैं। कैप्शनः श्री घनशाम थोरी डिप्टी कमिश्नर अमृतसर का पदभार ग्रहण करते हुए। सलामी लेते हुए प्रेस से बातचीत की।

एक दिवसीय मसीह सम्मेलन आयोजित

अमृतसर 16 अक्टूबर (साहिल बेरी) पादरी बलराज गिल के नेतृत्व में इब्न कलां में एक दिवसीय मसीह सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें सैकड़ों लोगों ने पहुंचकर आध्यात्मिक आशीर्वाद प्राप्त किया। पादरी सैमुअल सोनी, पादरी सतपाल मट्टू, पादरी सैम चीदा, पादरी खादिम सहोता, पादरी गुरवंत राजा, पादरी प्रदीप टेकी, पादरी वासवान मसीह, पादरी अशोक कुमार सहित अन्य ने जॉनसन और उनकी टीम द्वारा प्रभु के भजन गाकर मंडली का मनोरंजन किया। एएसआई, पादरी परमजीत, पादरी सूरज मसीह, पादरी साजन, जसविंदर सिंह फोजी, उपरोक्त नेताओं को पादरी बलराज गिल द्वारा सम्मानित किया गया।

ढेंकनाल में राष्ट्रीय स्तरीय पल्लिश्री मेला अगले 29 से शुरु होगा

मनोरंजना सासमल , ओड़िशा ,भुबनेस्वरः आगामी 29 तारीख से ढेंकनाल में राष्ट्रीय स्तर का पल्लीश्री मेला शुरू होने जा रहा है.यह मेला लक्ष्मी पूजा के अवसर पर 10 दिनों तक चलेगा. पालीश्री मेला की तैयारी बैठक कल जिलाधिकारी सरोज कुमार सेठी की अध्यक्षता में आयोजित की गयी है. इस वर्ष यह निर्णय लिया गया है कि पल्लीश्री मेला 29 अक्टूबर से 7 नवंबर तक महिषापत में आयोजित किया जाएगा। हालाँकि, इस मेले का आयोजन राज्य सरकार की मदद से ओरमास और जिला प्रशासन द्वारा किया जा रहा है। इस पालिश्री मेले में देश के विभिन्न हिस्सों से हस्तशिल्प और दस्तकारी के सामान के साथ विभिन्न व्यापारी और समूह भाग लेंगे। इसके साथ ही इस बैठक में यह निर्णय लिया गया है कि पालीश्री मेले में हर दिन रोचक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे. बैठक में निर्णय लिया गया कि यातायात व्यवस्था, स्वास्थ्य, पेयजल आदि पर विशेष ध्यान दिया जायेगा. हालांकि इस मेले में कुल 200 स्टॉल की व्यवस्था की गई है. इनमें 20 मिशन शक्ति स्टॉल और 10 क्राफ्ट स्टॉल होंगे. इसके अलावा फूड कोर्ट में 12 स्टॉल होंगे। पल्लीश्री मेले में प्रतिदिन 20,000 लोगों की भीड़ को देखते हुए यातायात व्यवस्था और अग्नि सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी जिला अरखी अधिकारी श्री ज्ञान रंजन महापात्र ने कहा ।जिला आरखी अधिकारी आमलोगो की सुरख्या केलिये कुछ प्रस्ताव रखी थे ।इसके अलावा पल्लीश्री मेले में हर दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे. ओरमास के डिप्टी सीईओ सौरभमय दास ने कहा, इस बैठक में निर्णय लिया गया है कि पल्लीश्री मेले के लिए 5 करोड़ रुपये का बीमा किया जाएगा. बैठक में जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी फिलिप कुमार बिस्वाल, अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट रमेश चंद्र सेठी, ढेंकनाल सदर उपजिलापाल नारायण चंद्र नायक, जिला परिषद के कार्यकारी और विकास अधिकारी ज्योति शंकर साहू और संबंधित विभागीय अधिकारी और मीडिया प्रतिनिधि शामिल हुए थे ।

होप इनिशिएटिव अमृतसर प्रार्थना, प्रतिज्ञा, खेल की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है

कमिश्नरेट पुलिस, अमृतसर ने इन सभी कार्यक्रमों की लाइव स्ट्रीमिंग की व्यवस्था की है, जबकि ऑनलाइन शामिल होने वाले निवासियों और समर्थकों से अपनी भागीदारी की आभासी प्रस्तुतियाँ देने और इन्हें अमृतसर पुलिस की वेबसाइट पर अपलोड करने का आग्रह किया गया है।

अमृतसर, (साहिल बेरी) द होप इनिशिएटिव के लिए अमृतसर पूरी तरह तैयार होने के साथ, नशीली दवाओं का खतरा खत्म होने के लिए पूरी तरह तैयार है। पंजाब के मुख्यमंत्री श्री भगवंत मान और कमिश्नरेट पुलिस, अमृतसर के नेतृत्व में जिला द होप इनिशिएटिव के प्रार्थना, प्रतिज्ञा और खेल घटकों की सफलतापूर्वक मेजबानी करने के लिए तैयार है। यह आयोजन नशीली दवाओं के खतरे के खिलाफ पहल और सभाओं के सभी पिछले रिकॉर्ड को तोड़ने की संभावना है, जिसमें व्यक्तिगत रूप से 40,000 से अधिक छात्र एकत्र होंगे और कई अन्य ऑनलाइन भी शामिल होंगे। कमिश्नरेट पुलिस, अमृतसर ने इन सभी कार्यक्रमों की लाइव स्ट्रीमिंग की व्यवस्था की है, जबकि ऑनलाइन शामिल होने वाले निवासियों और समर्थकों से अपनी भागीदारी की आभासी प्रस्तुतियाँ देने और इन्हें अमृतसर पुलिस की वेबसाइट पर अपलोड करने का आग्रह किया गया है। विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों और संगठनों के 300 से अधिक शिक्षकों और समन्वयकों ने अमृतसर के पुलिस आयुक्त श्री नौनिहाल सिंह से मुलाकात की और उन्हें कार्यक्रम को सफल बनाने का आश्वासन दिया।

फिक्की एफएलओ जैसे संगठनों के सामने आने से, अमृतसर समाज से नशीली दवाओं के खतरे को शीघ्र और निश्चित रूप से बाहर करने के लिए तत्पर है। जानकारी देते हुए श्री नौनिहाल सिंह ने बताया कि 18 अक्टूबर के आयोजन के लिए सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। "जैसा कि योजना बनाई गई है, कार्यक्रम की शुरुआत पीली पगड़ी पहने छात्रों के नेतृत्व में चारदीवारी वाले शहर के चार द्वारों से दरबार साहिब तक एक वॉकथॉन के साथ होगी, जहां 'अरदास' की पेशकश की जाएगी। उनके बीच पीली टोपी पहले ही वितरित की जा चुकी है, जबकि 'अरदास' के अंत में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (एसजीपीसी) द्वारा 'प्रसाद' के वितरण और बाबा भूरी वाले द्वारा जलपान के वितरण की सभी व्यवस्थाएं की जा चुकी हैं। अच्छा," उन्होंने कहा। पुलिस आयुक्त ने कहा कि इसके बाद योजना के अनुसार 'प्रतिज्ञा' और 'प्ले' घटकों का पालन किया जाएगा। "इस अवसर पर अमृतसर में एक विशाल सभा की उम्मीद के साथ, अमृतसर यातायात पुलिस ने दिन के लिए एक विशेष यातायात प्रबंधन योजना तैयार की है। इसे अमृतसर ट्रैफिक पुलिस की

वेबसाइट पर देखा जा सकता है। निवासियों को सलाह दी जाती है कि वे ट्रैफिक जाम को रोकने और जाम में फंसने से बचने के लिए इसके बीच से गुजरें और इसका निरीक्षण करें," श्री सिंह ने कहा।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी ने महावीर प्रवाह का किया विमोचन

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा, भीलवाड़ा। महावीर इंटरनेशनल मीरा अध्यक्ष मंजु बापना ने बताया कि कांग्रेस ज़लिाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी व अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष मंजु पोखरना के सानिध्य में अपेक्स द्वारा रचित ''महावीर प्रवाह'' किताब का विमोचन करवाया गया जिसमें महावीर इंटरनेशनल के पूरे भारत के सभी केंद्रों द्वारा किए गए सेवा कार्य का वर्णन किया गया है ।त्रिपाठी ने महावीर प्रवाह को ध्यान से देखते हुए कहा कि महावीर इंटरनेशनल के सेवा कार्य सराहनीय है ।कार्यक्रम में नितिन बापना, अशोक जैन, ईश्वर खोइवाल, मुस्ताक़ आदि उपस्थित थे।

नवरात्र - मंगलवार विशेष 'श्री हनुमान चालीसा'

हनुमान चालीसा की प्रत्येक चौपाई स्वयं सिद्ध मंत्र है, इन चौपाइयों में ऐसा स्पंदन है जिसका मानव के तन- मन पर सकारात्मक/ शुभ प्रभाव पड़ता है जैसे- :

1.आध्यात्मिक बल-: कहते हैं कि आध्यात्मिक बल से ही आत्मिक बल प्राप्त होता है और आत्मिक बल से ही हम शारीरिक बल प्राप्त करके हर तरह के रोग से लड़कर उस पर विजय प्राप्त कर सकते हैं। प्रतिदिन हनुमान चालीसा का पाठ करने से मन और मस्तिष्क में आध्यात्मिक बल प्राप्त होता है। हनुमान जी को बल, बुद्धि और विद्या के दाता कहा जाता है, इसलिए हनुमान चालीसा का प्रतिदिन पाठ करना आपकी स्मरण शक्ति और बुद्धि में वृद्धि करता है। साथ ही आत्मिक बल भी मिलता है।

2.मनोबल बढ़ाती है हनुमान चालीसा-: नित्य हनुमान चालीसा पढ़ने से पवित्रता की भावना का विकास होता है हमारा मनोबल बढ़ता है ।व्यक्ति का मनोबल ऊंचा रहेगा तो सभी संकटों से निजात मिलेगी। हनुमान चालीसा की एक पंक्ति हैं- अष्ट सिद्धि नव निधि के दाता, असवर दिन जानकी माता।

3.अकारण भय व तनाव मिटता-: हनुमान चालीसा में एक पंक्ति है- भूत पिशाच निकट नहीं आवे महावीर जब नाम सुनावे। या सब सुख लहै तुम्हारी सरना, तुम रक्षक काहू को डरना। यह चौपाई मन में अकारण भय हो तो समाप्त कर देती है। हनुमान चालीसा का पाठ आपको भय और तनाव से छुटकारा दिलाने में बेहद कारगर है।

4.हर तरह का रोग मिटता-: हनुमान चालीसा में एक पंक्ति है- नासै रोग हरे सब पीरा, जपत निरन्तर हनुमत बीरा। या बल बुधि बिद्या देहु मोहिं, हरहु कलेस बिकार। अर्थात किसी भी प्रकार का रोग हो आप बस श्रद्धापूर्वक हनुमानजी का जाप करते रहे। हनुमान जी आपकी पीड़ा हर लेंगे। कैसे भी कलेस हो अर्थात कष्ट हो, वह सम्पात हो जाएगा। श्रद्धा और विश्वास की ताकत होती है। मतलब यह कि दवा के साथ दुआ भी करें। हनुमान जी की कृपा से शरीर की समस्त पीड़ाओं से आपको मुक्ति मिल जाएगी।

5.हर तरह का संकट मिटता-: आप किसी भी प्रकार का शारीरिक संकट या मानसिक संकट आया हो या प्राणों पर यदि संकट आ गया हो तो यह पंक्ति पढ़ें- ₹संकट कटै मिटै सब पीरा, जो सुमिरै हनुमत बलबीरा।₹ या ₹संकट तें हनुमान छुड़ावै, मन क्रम बचन ध्यान जो लावै।₹ यह आपके भीतर नए सिरे से आशा का संचार कर देगी।

6.बंधन मुक्ति का उपाय-: कहते हैं कि यदि आप नित्य 100 बार हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं तो हर तरह के बंधन से मुक्त हो जाते हैं। वह बंधन भले ही किसी रोग का हो या किसी शोक का हो। हनुमान चालीसा में ही लिखा है- ₹जो सत बार पाठ कर कोई, छूटहि बन्दि महा सुख होई।₹ सत अर्थात सौ।

7 नकारात्माक प्रभाव होते हैं दूर-: मान्यता के अनुसार निरंतर हनुमान चालीसा पढ़ने से हमारे घर, मन और शरीर से नकारात्मक ऊर्जा का निष्कासन हो जाता है। निरोगी और निश्चिंत रहने के लिए जीवन में सकारात्मकता की जरूरत होती है। सकारात्मक ऊर्जा व्यक्ति को दीर्घजीवी बनाती है।

8 ग्रहों के प्रभाव होते हैं दूर-: ज्योतिषियों के अनुसार प्रत्येक ग्रह का शरीर पर भिन्न भिन्न असर होता है। जब उसका बुरे असर होता है तो उस ग्रह से संबंधित रोग होते हैं। जैसे सूर्य के कारण धड़कन का कम-ज्यादा होना, शरीर का अकड़ जाना, शनि के कारण फेफड़े का सिकुड़ना, सांस लेने में तकलीफ होना, चंद्र के कारण मनसिक रोग आदि। इसी तरह सभी ग्रहों से रोग उत्पन्न होते हैं। यदि पवित्र रहकर नियमपूर्वक श्री हनुमान चालीसा पढ़ी जाए तो ग्रहों के बुरे प्रभाव से मुक्ति मिलती है।

9.घर का कलह मिटता है-: यदि परिवार में किसी भी प्रकार की कलह है तो कुछ समय बाद परिवार के सदस्य तनाव में रहने लगेंगे और धीरे धीरे उन्होंने शारीरिक और मानसिक रोग घेर लेंगे। नित्य हनुमान चालीसा का पाठ करने से मन में शांति स्थापना होती है। कलह मिटता है और घर में खुशनुमा माहौल निर्मित होता है।

10. बुराइयों से दूर करती है हनुमान चालीसा-: यदि आप नित्य हनुमान चालीसा पढ़ रहे हैं तो निश्चित ही आप धीरे धीरे स्वतः ही तरह तरह की बुराइयों से दूर होते जाएंगे। जैसे कुसंगत में रहकर नशा करना, और क्रोध, मोह, लोभ, ईर्ष्या, मद, काम-वासना जैसे मानसिक विकार स्वतः समाप्त हो जाएंगे। जब व्यक्ति बुराइयों से दूर रहता है तो धीरे-धीरे उसकी मानसिक और शारीरिक सेहत सुधरने लगती है।

पुनश्चः- नित्य हनुमान चालीसा पढ़ने से आपमें आध्यात्मि बल, आत्मिक बल और मनोबल बढ़ता है। इसे पवित्रता की भावना महसूस होती है। शरीर में हल्कापन लगता है और व्यक्ति खुद को निरोगी महसूस करता है। इससे भय, तनाव और असुरक्षा की भावना हट जाती है। जीवन में यही सब रोग और शोक से मुक्त होने के लिए जरूरी है ।अतः पवित्रता शुद्धता व पूरे विश्वास के साथ प्रतिदिन नियम से हनुमान चालीसा पाठ करना शुरू करें।

आज मंगलवार व पवित्र शारदीय नवरात्र के शुभ अवसर पर संध्या के समय श्री हनुमान चालीसा के पाठ करें और इस शुभ अवसर का लाभ उठाएं।।

जयश्री राम

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095 . newstransportvishesh@gmail .com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी .आर .बी . एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023